भारत कि बर्बादी का कारण अंधभक्त या मुसलमान

भारत कि बर्बादी का कारण अंधभक्त या
मुसलमान

Hitesh dhandar

BlueRose ONE .com DIY
Stories Matter

© Hitesh dhandar 2023

All rights reserved by the author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without the prior permission of the author.

Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the author and publisher assume no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of the information contained within.

Title: भारत कि बर्बादी का कारण अंधभक्त या मुसलमान
Language: Hindi
Character set encoding: UTF-8

First published by

An Imprint of BlueRose Publishers

Head Office: B-6, 2nd Floor,
ABL Workspaces, Block B, Sector 4,
Noida, Uttar Pradesh 201301
M: +91-8882 898 898

BlueRose ONE .com
DIY
Stories Matter

आज़ से तकरीबन 2600 से अधिक बर्ष पहले यहां सुध्दोधन नाम का एक राजा हुआ करता था, और उसकी एक राजकुमारी भी थीं, जीसका नाम महामाया था, जिसने बुध को जन्म दिया, जीसके ग्यान से सत्य का अस्तित्व कायम हुआ, सत्य के कारण तर्क़ शिलता और विज्ञान का अस्तित्व निर्माण हुआ, विज्ञान के कारण शिल्पकला, चिकित्सा पद्धति, आत्मरक्षा कला, का भी निर्माण हुआ, जीस के कारण धरती पर सत्य कि जीत दर्ज हुई, और महामाया जैसी महिलाओं को सम्मान के साथ देखा जाने लगा, जीसने बुध को जन्म दिया, और इस तरह से जम्बूद्वीप, अखंड भारत पहला ऐसा राष्ट्र था, जीस में महिलाओं को इज्जत और सम्मान के साथ देखा जाने लगा, जबकि और देशों में औरतों का जीवन बोहोत ही संघर्ष मय रहा है, उन्हें जिंदा जलाया जा रहा था, नर बलि का दौर था वोह, असत्य को सत्य को जीत मजुंर नहीं थी, इसलिए सत्य कि धरती पर असत्य का आगमन हुआ, क्यों कि सत्य बुध के रुप में और देशों में पोहच चुके थे, और जहां जहां असत्य का डेरा था, धीरे धीरे सत्य वहां भी बुध के रुप में पोहचने लगें, जीस के कारण असत्य डर गया, और जीतने भी असत्य के मार्ग पर चलने वाले लोग थे, उन्होंने सम्राट असोक जी के मृत्यु के बाद भारत पर आक्रमण किया और पुष्पमित्र शुंग के साथ मिलकर पंचमगी, यहुदी ब्राह्मणों ने बृहदत्त मोर्या कि हत्या कि, और ब्राह्मणों ने धीरे धीरे भारत कि संस्कृति और सभ्यता को नष्ट करने का काम किया, और बुध तथा महावीर के इतिहास को रोदं कर, गुलामों को अपने इतिहास से वंचित कर अंखड भारत खंड खंड कर गुलाम बनाया, महाराजाओं कि और बौद्ध भिक्षु और जैन मुनि यों षड़यंत्र पुर्वक हत्या करने के बाद विदेशी ब्राह्मणों ने वर्ण व्यवस्था के हिसाब से भारत के मुलनिवासीयो को शुद्र और अछुत बनाया, इस तरह से बुध और महावीर को रोंदकर आर्य, ब्राह्मण धर्म का निर्माण किया गया, जिसे आज़ के समय में हिन्दू सनातन धर्म के नाम से भी जाना जाता हैं, फिर भारत में मुगलों का आगमन सुरु होता हैं, उसके बाद फ्रांस, डच, पुर्तगाल, ईस्ट इंडिया कंपनी, ब्रिटिश राज यह सब लोग आएं।

अब शुद्र और अछुत कोन है यह सही से जान लो, अखिल भारतीय महासभा और ब्राह्मणों के लिए लिखें गए दस्तावेज के हिसाब से ब्रम्हा के मुख से पैदा होने वाले ब्राह्मण श्रेष्ठ है, और गैर ब्राह्मण जैसे कि ठाकुर, बनिया, दलित, अनुसुचित जाती, पिछड़े, यादव,जाट, गुर्जर, माली, नाइ, और सारि महिलाएं शुद्र हैं, और दलित अनुसुचितन जाती के लोग अछुत हैं, दलित अनुसुचितन जाती के लोग तो ब्राह्मणों के वर्ण व्यवस्था में कहीं भी नहीं है, वह शुद्र से भी नीच है, इसीलिए इन्हें अछुत कहा जाता हैं, हालांकि यह सब विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी यहुदी ब्राह्मणों कि मेथोलोजी है, हर कोई अपनी मां कि कोख से जन्म लेता है, पर इन पाखंडे लोगों कि मेथोलोजी में तो कोई ब्रम्हा के मुंह से ब्राह्मण पैदा हो

रहा है, ब्रम्हा के खभा से क्षत्रिय पैदा हो रहा है, ब्रह्म के जंघा से बनीया, और ब्रम्हा के पेरो से शुद्र पैदा हो रहा है, और शुद्र कहा से आए इसका कोई जीक्र भी नहीं है, विदेशी ब्राह्मण समानता में विश्वास नहीं रखते हैं, क्यों कि जब तक कोई नीच नहीं रेह सकता, तो ब्राह्मण उच्च केसे हो सकता हैं, इसलिए ब्राह्मण वर्ण व्यवस्था में, समानता नहीं हैं, और जीसकि कोख से ब्राह्मण पैदा हुआ है, वह ब्राह्मण उंच श्रेष्ठ हैं, और वही ब्राह्मण को जन्म देने वाली महिला शुद्र हैं, यह अवैज्ञानिक हैं, पागलपन हैं, धुरता हैं, और में इसका विरोध करता हूं, क्यों कि में ना तो आस्तिक हु, और नाही नास्तिक हूं, में केवल वास्तविक हु, क्यों कि मुझे पता है, मुझे मेरी मां ने जन्म दिया है, और आज़ में जो कुछ भी हु, अपने मां बाप के वज़ह से हु, और जीस धर्म मज़हब में जगत जननी जेसी महिला जाती का सम्मान ना हो, और उस महिला जाती का अपमान तथा उसका चरित्र हनन किया गया हों, वैसे धर्म, मज़हब कि मुझे कोई आवश्यकता नहीं हैं, में ऐसे धर्म मज़हब और इश्वर अल्लाह का विरोध करता हूं, क्यों कि दान दक्षिणा और पुजा पाठ से खुश हो कर इश्वर किसी के पापों को क्षमा कर देता है, तो इश्वर और ब्राह्मण से बड़ा भ्रष्टाचारी और रिश्वतखोर कोई भी नहीं हो सकता।

ब्राह्मणों द्वारा बनाई गई वर्ण व्यवस्था में महिलाओं का चरित्र हनन आखीर क्यों किया गया हैं, कम से कम ब्राह्मणों कि जो महिलाएं हैं, वोह तो ब्राह्मणों कि तरहां उच्च और श्रेष्ठ होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, सुरुवाती दिनों में मुझे भी ऐसा ही लगता था, के पुरि ब्राह्मण जाति हीं उच्च हैं, जब मुझे इनके दस्तावेजों का ज्ञान नहीं था, लेकिन जब मैंने इनके लिखे गए दस्तावेजों को पढ़ा और समझा तो पता चला कि ब्राह्मणों में केवल पुरुष जाति हीं उच्च और श्रेष्ठ हैं, बाकी तो सारी महिलाएं नीच है, इसीलिए तो महिलाओं को भी शुद्र कि श्रेणी में रखा गया है,

यह सब देख और सुन कर कुछ वक्त के लिए मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था, लेकिन जब ऐसा लिखा हुआ है, तो इसका कोई तो कारण जरुर होगा, ऐसे ही किसी ने यह सब लिखा नहीं होगा, तो इसका केवल एक ही कारण है, क्यों कि यह लोग भारत में बिना महिलाओं के यहां आएं थे, कुछ वर्षों पहले हम यह साबित नहीं कर सकते थे, मगर आज़ हम विज्ञान के माध्यम से इनके DNA से पता कर सकते हैं, कि यह विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी यहुदी ब्राह्मण वेस्ट युरेशीया से यहां भारत में आया है, जो काला सागर अस्कि मौजी के पास स्थित हैं, इसीलिए इनका और इनके घरों में रहने वाली महिलाओं का DNA मेच नहीं होता।

इन सब ब्राह्मणों कि लिखीं हुई किताब में खुद ब्राह्मणों ने लिखा है कि हम विदेशी हैं,।

"ऋग्वेद" में श्लौक नंबर 10 में लिखा है कि हम वैदिक ब्राह्मण उत्तर ध्रुव से आएं हुए लोग हैं,। जब अनार्यों का युद्ध हुआ था। "The Arctic in the vedas" गंगाधर तिलक, जवाहरलाल नेहरू बाबर के वंशज फिर कश्मीरी पंडित बनें , और एक किताब लिखी "jawaharlal nehru the descovery of India" में लिखा है, हम मध्य एशिया से आएं हुवे लोग हैं, "वोल्गा से गंगा" , राहुल सांकृत्यायन ने खुद लिखा है, हम लोग बाहरी लोग हैं, और वोल्गा से गंगा के तट पर कैसे आएं हैं, विनायक सावरकर यह भी एक मराठी ब्राह्मण था, इसने भी अपनी किताब "सहा सोनेरी पाने" में लिखा है, कि हम लोग भारत के बाहर से आएं हुए लोग हैं, इकबाल कश्मीरी पंडित ने "सारे जहां से अच्छा हिंदोस्ता हमारा" में लिखा है, ब्राह्मण युरेशिया से आएं है, राजा राम मोहन राय ने इंग्लैंड में जा कर अपने भाषण में बोला था, आज़ में अपनी पैत्रीक भुमि यानी के घर वापस आया हूं।, इसके अलावा मोहनदास गांधी 1894 में दक्षिण अफ्रीका के विधानसभा के एक पंत्र के अनुसार अंग्रेजों को कहा हम भारतीय के साथ साथ युरेशियन हैं, हमारी नश्ल एक ही है, इसलिए हम अंग्रेज़ शासकों से अच्छे बर्ताव की अपेक्षा करते हैं, इसके अलावा ब्रम्हा समाज के नेता सुब चंद्रसेन ने1877मे कोलकाता

कि एक सभा में कहा था कि अंग्रेजों से आने से हम सदीयो से बिछड़े हुए भारतीय ब्राह्मण और अंग्रेजों का पुनर मिलन हुआ है, फिर अमेरिका के साल्ट लेक युताहा युनिवर्सिटी के मानवविभाग वंश के माईकल बामशाद ने एक प्रश्न खड़ा किया के पुरे विश्व में कहीं भी जातीया नहीं हैं, हालांकि केटेगरी है, लेकिन इंडिया में केटेगरी मतलब वर्ण व्यवस्था के साथ साथ जातीया भी है, इसका कोई तो कारण जरुर होगा, फिर आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम के विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त तरिके से 1995 से लेकर 2001तक लगातार भारत के विविध जाती धर्म के लोगों का ब्लड सेम्पल टेस्ट किया, लेकिन रिपोर्ट में भारत कि ब्राह्मण जाति का DNA 99.96 वेस्ट युरेशीया का हैं, भारत के ब्राह्मणों का भारत के मुलनिवासी यों से मेच नहीं होता हैं, और नाही ब्राह्मणों के घरों में रहने वाली महिलाओं से मेच होता हैं, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी यह फैसला दिया था कि ब्राह्मण बाहरी लोग हैं, टाइम्स ऑफ इंडिया में भी यह खबर छापी थी, जो अब सत्ता में बैठे ब्राह्मणों द्वारा हाइड किया गया हैं, आंकड़ा है, मगर ख़बर गायब है, मगर हमारे पास रिसर्व किया हुआ सबुत हैं, ब्राह्मणों के पास उनके अस्तित्व का कोई ओथेन्टिक सबुत नहीं है,

एक बात हम भारत के लोगों को अच्छे से समझनी होगी, अगर शद्र और अछुतों से भी ज्यादा, अगर किसी का चरित्र हनन और वर्ण व्यवस्था के माध्यम से जीसका सबसे ज्यादा अपमान किया गया है, तो वह राजपुत कोम हैं।

इन्ही वेस्ट युरेशीयन मनुवादी यो ने कर्नल जेम्स टॉड की सहायता से एक फेंक रिपोर्ट के जरिए भारत के राजपूत कोम को विदेशी घोषित किया है, जिसका वहम आज भी कुछ राजपूत के ज़हन में है, और यह ग़लत है, यह हमारे राजा महाराजा ओ का अपमान है, क्यों कि 11 सदि के बाद हमारे राजा महाराजा ओ ने अपने आप को राजपूत केहना सुरु किया है, क्षत्रिय शब्द प्राचीन भाषा पाली प्राकीत का खतिय से कोपी किया है, जो गुजरते वक्त के साथ बुध्दीस्ट हाइब्रिड संस्कृत में, क्षेत्रीय हुआ, और देवनागरी लिपि में क्षत्रिय हुआ, आज के समय में कुछ राजपूत, क्षत्रिय को यह बात पता नहीं होगी, क्यों कि मनुवादी यो ने इतिहास में मिलावट कर मेथोलोजी गपोडलिला के जरिए इनका ब्रेनवाश कर रखा है, ब्राह्मणों के षड़यंत्र के तहत, राजपूत, अहिर, जाट, गुर्जर, को क्षत्रिय कहा जाता हैं, लेकिन क्षत्रिय भी शुद्र हि हैं, अपने आप को क्षत्रिय केहना मतलब अपने आप को ब्राह्मणों कि नाजायज संतान केहने जैसा है, नाजायज इसलिए है क्योंकि ब्राह्मणों कि संतान को ब्राह्मण ही कहा जाता हैं, क्यों कि जब भारत में ब्रिटिश राज था तब ब्राह्मणो ने क्षत्रिय को शुद्र कहा था, कोई क्षत्रिय वैत्रिय नहीं हैं, हमारे परशूराम ने 21 बार क्षत्रिय शुन्य किया है, जिसके बाद समस्त क्षत्रियानी ब्राह्मणों के पास गर्भ धारण किया, इसलिए यह कोई क्षत्रिय नहीं हैं, बल्कि शुद्र हैं, जिसकी वज़ह से राजपुतों को और अपने आप को क्षत्रिय केहने वाले लोगों को फाइट करनी पड़ी थी, पुरा क्षत्रिय समाज कोर्ट कचेरी में लड़ने लगा, यह केश ब्रिटेन तक पोहच गया था, तब जाकर कर भारत कि जातीयो को, ब्रिटिश सरकार ने कास्ट यह नाम दिया, और ब्राह्मण धर्म कि महाभारत, रामायण को मिथ्स, काल्पनिक कहानी बताकर राजपुतों को अपर कास्ट में शामिल किया गया, जिसकी वजह से यह लोग कन्फुस हैं, हम सभी भारतीय को "ज़ोन प्रिंसेस" को धन्यवाद केहना चाहीये , जिन्होंने मनुवादी यो द्वारा भारत का नस्ट और तबाह किया हुआ इतिहास ख़ोज निकाला,

भारत देश के मुलनिवासी यों भारत का मतलब इंन्डिया, और इंन्डिया का मतलब भारत होता हैं, क्यों कि "हिन्दू राष्ट्र", तथा वेस्ट युरेशीयन मनुवादी यो का हिन्दू,सनातन धर्म, और वेस्ट युरेशीयन मनुवादी यो द्वारा भारत को हिन्दूस्तान यह नाम देना, यह भारत को और भारत के मुलनिवासी बनिया,ठाकुर,राजपूत,क्षत्रिय,वैश्य तथा संविधानिक भाषा में कहा जाय तो तमाम OBC,ST,SC वालो को मानसिक रुप से गुलाम बनाने का वल्गार प्रोपगंडा हैं, और इनकी सबसे बड़ी ताकत हमारा जातियों में बंटे रेहाना हैं, पुरे विश्व में जातिया केवल भारत में हि हैं, और यही जातीया भारत की गुलामी का राज़ है,। क्यों कि बनिया, ठाकुर, राजपूत, क्षत्रिय, वैश्य, और दलित, आदिवासी, अनुसुचित जाती के लोग हिन्दू नहीं हैं, क्यों कि 'हिन्दू' इस नाम का कोई भी धर्म नहीं हैं, यह बात हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहीं है, आप अगर नरेंद्र मोदी के पुराने रेकोड चेक करोगे तो पता चलेगा, पुरा विश्व भारत को गौतम बुध की वज़ह से जानता है, क्यों कि

भारत एक बौध्दीस्ट कन्ट्रि हैं, जिसे वेस्ट युरेशीयन मनुवादी यो ने कई सदियों से मानसिक रुप से गुलाम बनाये रखा है, और यही लोग भारत में हिन्दू मुस्लिम कि राजनीति कर रहे है, भारत में हिन्दू का मतलब भारतीय आर्य,ब्राह्मण जाति के वंशज, तथा आर्य धर्म का अनुयाई होता हैं, "हिन्दू" यह शब्द फारशियन हैं, भारत संस्कृत का हैं भी नहीं, जिसका मतलब गंदा, घटिया होता हैं, हिन्दू यह कोई धर्म नहीं मोगलो द्वारा भारतीयों को ब्राह्मण धर्म की सति प्रथा, स्तन टैक्स, वधु का शुद्धिकरण, बाल विवाह जैसी घटिया प्रथा का पालन करने वाले अनपढ़,अज्ञानी लोगों को दि गई एक गाली है, फारसी भाषा में "स" नहीं होता हैं, इसलिए सिंधु घाटी हिन्द के लोगों को "हिन्दू" यह गाली दी, दयानंद सरस्वती,यह गुजरात का ब्राह्मण है जीसने अपनी किताब में खुद कहा है कि हिन्दू मोगलो कि दि हुई गाली है, जीस धर्म को भारत की जनता हिन्दू सनातन धर्म समज कर पुज रही हैं, वह वेस्ट युरेशीयन आर्य,वैदिक,ब्राह्मण धर्म है, और आप सभी को पता ही होगा ब्राह्मण जाति है धर्म नहीं। चालाकी देख रहो हों वेस्ट युरेशीयन मनुवादी यो कि, जिसका धर्म है वह ब्राह्मण है, और अनुयाई भक्त जो हे वह हिन्दू हैं, यह धर्म नहीं गुलामी है, ऐसी गुलामी जहां गुलाम खुद अपने ही हाथों अपनी आस्था और अपने पुर्वजों कि कुर्बानी कि धचिया उडा रहा है, और अपने आने वाली पीढ़ी कि और अपने गौरवशाली इतिहास कि क़ब्र खोद रहा है, जहां गुलाम खुद अपने आप गुलाम बिना सोचे समझे गुलाम घोषित करता है, और अपने आप को गाली देता है, इस भारत देश की ४०% अधिक जनता को आज अडवांस टेक्नोलॉजी के द्वारा मानसिक रुप से गुलाम बनाया जा रहा है, और प्राक्टीकली रुप से गुलाम खुद लाखों रुपए गुलाम बन्ने के लिए कथा वाचक, मनुवादी यो कि संतानों को दे रहीं हैं, यह धर्म केवल ब्राह्मण जाति के लिए योग्य हैं, क्यों कि अधर जाती का इस धर्म में सम्मान नहीं हैं, ऐसा वेस्ट युरेशीयन मनुवादी यो द्वारा बनाया गया धर्म हैं, जिसमें महिलाओं का, राजपूत,क्षत्रिय, वैश्य और संविधानीक भाषा में कहा जाय तो OBC, ST, SC वालों का चरित्र हनन किया गया हैं, और जिस जाती,धर्म में जगत जननी जैसी महिलाओं का सम्मान नहीं हैं, वह धर्म, वह समाज कभी सभ्य नहीं हो सकता, और इन मनुवादी यो के ब्राह्मण धर्म महाकाव्य ग्रंथों में इतना वल्गर किस्सो का जिक्र हैं, अगर भारत के मुलनिवासी यो ने इनके सारे महाकाव्य ग्रंथों को पढ़ लिया और अच्छे से समज लिया तो, भारत के मुलनिवासी इन मनुवादी यो के सारे महाकाव्य ग्रंथों को कचरे के डिब्बे में फेंक दें, और इनके महाकाव्य में अधिक तर अच्छी बातें बौद्ध धम्म के ग्रन्थों से कापी किया है, और पुरान वगैरा जैन धर्म के ग्रंथों से कोपी कीया हैं, और क्रुरता, कट्टरता यहूदी बाईबल और ग्रीक ग्रंथ से कोपी कीया हैं, यहां तक कि इनके चमत्कारी ईश्वर के नाम भी इन्होंने बौद्ध धम्म से कोपी कीया है, जेसे कि भगवान, भगवा, महादेव, वासुदेव, देव, देवी, गणपति, दशरथ, राम, सीता, इत्यादि क्यों कि भारत में जो भी प्राचीन मुर्तियां हैं,वह सब बुध की और महावीर कि हैं, क्यों कि प्राचीन काल में शिल्पकला, मूर्तिकला का ज्ञान केवल बोध्दीझम,जैनेझम के पास ही था,

क्यों कि शिल्पकारों, चिकित्सक इन लोगों को ब्राह्मण महाकाव्य ग्रंथों में निच, कहा गया है, ओर इनकी निंदा कि गई हैं, और 19/20 सदी में इन वेस्ट युरेशीयन मनुवादी यो ने इन्हीं मुर्तियो पर कब्ज़ा कर के लिंग परिवर्तन करके चमत्कारी ईश्वर बना दिया और मुर्तिपुजा करके अपना धंधा स्टार्ट कर दिया है,

और यह कोई लक्ष्मी माता, संतोषी माता, सरस्वती माता, अम्बे माता नहीं , यह सुकिती गौतम बुध जी की मां हैं, जिन्हें महामाया, महादेवी कहा जाता हैं.। ब्राह्मण धर्म कि काल्पनिक देवियों कि कल्पना भी देवी महामाया द्वारा कि गई हैं,।

एक यह टाइम था, जब जम्बूद्वीप, अखंड भारत में महिलाओं का सम्मान और सत्कार किया जाता था, ऐसा दौर जहां जगत जननी जेसी महिला जाती को पुजनीय समझा जाता था, और एक आज़ का टाइम देख लो।

जैसे बाल काटना नाई का धर्म नहीं धंधा है,। चमड़े की सिलाई करना मोची का धर्म नहीं धंधा है,। इसी प्रकार पुजा पाठ करना ब्राह्मण का धर्म नहीं धंधा है, और आज भारत में कहीं भी कभी भी खुदाई होती हैं, तों वहां निकलने वालें बौद्ध विहार, और भगवान गौतम बुध की मुर्तियो को अडवांस टेक्नोलॉजी सोसियल मिडिया और व्हाट्स ऐप युनिवर्सिटी के जरिए लोगों को हिन्दू धर्म के मदीर और हिन्दू धर्म के देवी, देवताओं का मिलना बताया जाता हैं, और इस तरहां से भारत देश के मुलनिवासी यों का ब्रेनवाश किया जाता हैं, और सत्य से भटकाया जाता हैं " हिन्दू राष्ट्र " का मतलब , भारत को गाली देने जैसा है, पुरे विश्व में एक जापान ही हैं जो सबसे कम वर्षों तक गुलाम रहा है,मात्र 15 साल, और भारत को देखो जो कई सदियों से गुलाम है, फिर भी अन्धभक्त मान्ने को तैयार नहीं हैं, भारतीय मनुष्य कि हरकतों को देख कर मुझे नाना पाटेकर की याद आती हैं, जिसमें उन्होंने कहा है, की आदत हो गई है गुलामी करने कि और गुलामी को चाटने की, पेहले मोगलो फिर ब्रिटिशर कि और अब कुछ चंद गद्दार राजनेताओं कि, क्यों कि सत्य को में वैसा ही कहुंगा जेसा कि वोह हैं,

ACKNOWLEDGEMENTS

✓™ Legal Disclaimer

Only scientific temper is the future of Morden civilization.

यह किताब किसी भी जाति, धर्म, वर्ण व्यवस्था, मज़हब की धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं करता , बल्कि हमारा स्पष्ट उद्देश्य , समाज में फैले पाखंड, अंधविश्वास, कुरितियो, भेदभाव, छुवाछूत के प्रति लोगों को वैज्ञानिक सोच के अनुसार जागरुक करना है। अज्ञानता ही पाखंड, अंधविश्वास और मानसिक रूप कि गुलामी का मुल कारण बन चुकी हैं, यह किताब साइंटिफिक फेक्ट्स के अनुसार समाज में फैली पाखंड, अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियो, कुप्रथाओं के प्रति जागरूकता के लिए प्रतिबद्ध हैं,। सिर्फ विज्ञान ही मानव सभ्यता का भविष्य हैं, इसलिए विज्ञान को जिवन में लाना ही हितकार है.। समाज में ऐसी बोहोत सी बातें हैं जो अवैज्ञानिक हैं जबकि मानव समुदायों में आज़ भी प्रेक्टिस में है, जो मानव सभ्यता के लिए हानीकारक है, जिसे आप तर्क कि कसोटी से पेहचान सकते हैं, आपका दिमाग ही आपका सर्व श्रेष्ठ हथियार हैं और यही आपको विज्ञान से जोड़ सकता है,।

भारत कि बर्बादी का कारण अंधभक्त या मुसलमान ? , promotes the fundamental duty of 51, (A), (H). of the Indian Constitution I,E scientific temperament, and it's fundamental rights for 19, (1), (A). Right to freedom of speech and expression

भारत कि बर्बादी का कारण अंधभक्त या मुसलमान.?

या

फिर ऐसी वाणी बोलिए कि जम कर झगड़ा होय,

हिन्दू मुस्लिम कट मरे
सत्ता ब्राह्मणों कि होय.!

®™✓ Author / लेखक

✓> Hitesh dhandar / हितेश धंदर

®™✓INSTAGRAM *\ इन्स्टाग्राम

https://www.instagram.com/reel/CnlYjjSBJ4G/?igshid=NTc4MTIwNjQ2YQ==

FOREWORD

Write or paste your content here...

नमस्कार में हितेश धंदर, में नाही आस्तिक हु, और नाही नास्तिक हूं, में केवल वास्तविक हु, क्यों कि मुझे पता है, मुझे मेरी मां ने जन्म दिया है, जिसने मुझे अपने में पेंट में 9 महिने रखकर सिंचा है और आज मुझे इस लायक बनाया है, कि आज में आप लोगों के सामने अपनी बात रख पा रहा हूं, लेकिन जीस धर्म, मज़हब में जगत जननी जेसी महिला जाती का सम्मान ना हो, और उस महिला जाती का अपमान तथा उसका चरित्र हनन किया गया हों, वैसे धर्म, मज़हब के ईश्वर, अल्लाह कि मुझे कोई आवश्यकता नहीं हैं,

विदेशी वेस्ट युरेशीयन ब्राह्मणों को धर्म संप्रदाय से रोजगार मिलता है, क्यों कि यह ब्राह्मणों का धर्म नहीं धंधा है, इसीलिए वह धर्म कि बात करता है, संविधान कि नहीं, क्यों कि वह बोहोत अछी तरहां से जानता है, अगर लोग संविधान पढ़कर कानुन शिख लेंगे तो गुलामी कोन करेगा और भारत कि 85% से अधिक आबादी वाले OBC, ST, SC, के लोगों को संविधान से समानता, रोजगार, शिक्षा, न्याय मिलता है, इसीलिए इस देश कि ब्राह्मण जाति को छोड़ कर सभी जाती के लोगो संविधान कि बात करनी चाहिए, धर्म, मज़हब कि नहीं, बस इतनी सी बात समझनी होगी के ब्राह्मण जाति को छोड़ कर, बाकी सभी जाती के लोग मतलब OBC, ST, SC, के लोगों के लिए धर्म मज़हब नहीं, संविधान महत्वपूर्ण है, क्यों सबसे पहले तुम एक भारतीय हों, हिन्दू मुस्लिम तो तुम अंत में हों, संविधान मानोगे तो चपरासी से लेकर प्रधानमंत्री, राष्ट्र पति तक बन जाओगे, और धर्म मज़हब जेसे संप्रदाय को मानोगे तो फिर से अशिक्षित, शुद्र, अछुत, वंचित, शोषित, बहिष्कृत, अन्धभक्त बन जाओगे। क्यों कि यह भारत देश गीता, क़ुरान, बाइबल से नहीं बल्कि संविधान से चलता हैं।

भारत कि बर्बादी का कारण अंधभक्त या मुसलमान.?

या फिर ऐसी वाणी बोलिए कि जम कर झगड़ा होय,

हिन्दू मुस्लिम कट मरे सत्ता ब्राह्मणों कि होय.!

PREFACE

विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी,ब्राह्मणों द्वारा ब्राह्मणों के हितों के रचित वर्ण व्यवस्था, जातीया ख़त्म हो तो विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी पंचमगी ब्राह्मण ख़त्म, ब्राह्मण ख़त्म तो विदेशी वेस्ट युरेशीयन ब्राह्मण का काल्पनिक देवी देवता ख़त्म, और काल्पनिक भगवान ख़त्म तो, विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी पंचमगी ब्राह्मण कि कमाई ख़त्म, इसलिए विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी पंचमगी ब्राह्मण हिन्दू, सनातन धर्म कि आड़ में लोगों को गुमराह करता है.!

3.5 % विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी यहुदी ब्राह्मण संविधान पढ़ कर सुप्रीम कोर्ट में मनुस्मृति का हथोडा पीट रहा है,

और 3.5 % विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी यहुदी ब्राह्मणों द्वारा देश के मुलनिवासी मंदिर का घंटा बजा कर, हरे रामा हरे कृष्णा कर रहा है,

कक्षा 5 पास विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी यहुदी ब्राह्मण जब इन्जीनियर, डॉक्टर, या अन्य किसी डिग्री धारकों से गोबर और पत्थर कि पुजा करवा लेता है, तो उसे विश्वास हो जाता हैं, कि अब इन मुर्खो से कुछ भी करवाया जा सकता है.!

मंदिर में दान दक्षिणा के बजाय पुष्प,फुल अर्पीत करें, और चमत्कार देखो पंडित मंदिर छोड़ कर भाग जाएगा, क्यों कि उन्हें भगवान नहीं आपका पैसा चाहिए, पंडित यह बात बोहोत अच्छे से जानता है कि वह पत्थर कि मुर्ति उसे कुछ भी नहीं दे सकतीं, इसी लिए वो आपसे दान दक्षिणा लेता है, जींस दिन आपको इतनी सी बात समझ आ जाएगी, उस दिन आप इस मानसिक रुप कि गुलामी से आजाद हो जाएंगे,

जीवन, मृत्यु सत्य है.! अज्ञानता से भय पैदा होता हैं, भय से अंधविश्वास पैदा होता हैं, अंधविश्वास से अंधभक्ती पैदा होती हैं, अंधभक्ती से व्यक्ति का विवेक शुन्य हो जाता हैं, और जिसका विवेक शुन्य हो जाता हैं, वह इंसान नहीं, बल्कि

मानसिक रुप से गुलाम होता हैं, इसलिए अज्ञानी नहीं, ज्ञानी बनो.! डॉ भीमराव अम्बेडकर

ब्राह्मणों द्वारा बनाई गई वर्ण व्यवस्था तथा वर्तमान समय के ब्राह्मण धर्म का विचित्र, अवैज्ञानिक इतिहास.!

जिसे कुछ अन्धभक्त हिन्दू सनातन धर्म समज कर पुज रहें हैं।

मंदोदरी "मेंढक" से पैदा हुई है,

श्रंग ऋषि "हिरनी" से पैदा हुआ है,

सीता"मटकी" में से पैदा हुई है,

गणेश अपनी मां के "मैल" से पैदा हुआ है,

हनुमान के पिता पवन "कान" से पैदा हुए हैं,

हनुमान का पुत्र मकरध्वज था जो"मछली के मुख" से पैदा हुआ है,

मनु सुर्य के पुत्र थे उनको छिंक आने पर एक लड़का "नाक" से पैदा

PROLOGUE

Write or paste your content here...राजा दशरथ कि तीन राणीयो के चार पुत्र जो "फलों कि खीर" खाने से पैदा हुए थे,

राम "पांच ब्राह्मणों द्वारा अश्वमेघ यज्ञ" करके पैदा किया गया,

सुर्य कर्ण का पिता था, भला सर्य "संतान" केसे पैदा कर सकता है, वह तो एक आग का गोला हैं,

ब्रम्हा ने तो अपनी ही बेटी का बलात्कार करके चार वर्ण "मुख, खभा, जंघा, पैरों" से पैदा किए हद है, पागलपन कि भी कोई सिमा होती हैं, मगर अज्ञानी अंधभक्तो कि नहीं।

ब्राह्मणों के काल्पनिक "33 कोटि देवी-देवताओं थे", वह सारे मिलकर भी भारत के "शुद्र, अछुतों" को शुद्ध नहीं कर पाए, लेकिन एक शुद्र अछुत भगवान को "अशुद्ध, अपवित्र" कर देता है,

शुद्र अछुतों का "चमड़े" का बनाया हुआ ढ़ोल मंदिर में बजाने से मंदिर अपवित्र नहीं होता,

"शुद्र अछुत" मंदिर में घुस जाते हैं, तो मंदिर "अपवित्र" हो जाता हैं,

ब्राह्मणों को इस बात से कोई मतलब नहीं, कि "ढोल" किस जानवर कि "चमड़ी, चमड़े" से बना है,

ब्राह्मणों के लिए मरे हुए जानवरों का चमड़े का ढोल "पवित्र" है, लेकिन जिंदा शुद्र अछुत "अपवित्र" है,

अपनी मां कि कोख से पैदा होने वाले अंधभक्तो अपने बुध्दि पर प्रकाश डालें।

दिमाग कि बत्ती जलाओ, अंधविश्वास, पाखंड को भगाओ।

यदि "पुजा पाठ" करने से "बुध्दि"और "शिक्षा" आती तो भारत कभी भी मुगल, फ्रांस, डच, पुर्तगाल, ईस्ट इंडिया

कंपनी, ब्रिटिश राज इन सब का गुलाम ना हुआ होता।

विश्व गुरु सुकिती गौतम बुध ने कहा है, सिर्फ दो ही जाती हैं, एक महिला और दुसरा पुरुष , और एक ही धर्म है, वोह हैं इंसानियत, बाकी सब अंधश्रद्धा, पाखंड और धंधा है, एक बात याद रहे, के भारत कि सम्यक संस्कृति, मतलब अखंड भारत निर्माता चक्रवर्तीन सम्राट असोक जी का प्रचार किया हुआ बौद्ध धम्म को रोंदकर हि ब्राह्मणों द्वारा ब्राह्मणों के हित के लिए वर्ण व्यवस्था बनाई गई है, जी से भारत के कुछ भक्त हिन्दू, सनातन धर्म समज कर पुज रहें हैं, विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी ब्राह्मणों ने , भारत के लोगों को वर्ण व्यवस्था में विभाजन किया है, इस बात का सबूत मनुस्मृति में है, कोन सी जाती केसे और क्यों बनाई गई है, सबकुछ लिखा हैं इसमें, जैसे कि भारत का संविधान हैं जिसमें में सभी लोगों को समान अधिकार है, उसी तरह से मनुस्मृति यह देश के सबसे बड़े दूश्मन विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी ब्राह्मणों का संविधान हैं, जिसमें हक़ और अधिकार केवल ब्राह्मणों को है, और ब्राह्मण ही तय करेगा कि क्षत्रिय और वैश्य को कोनसे हक़ और अधिकार दिए जाएंगे, इस तरहां विदेशी ब्राह्मणों ने अपनी ढाल के रुप में क्षत्रिय वैश्य का इस्तेमाल किया और देश कि ८५ आबादी वाले लोगों को शुद्र और अछुत बनाया, उन्हें शिक्षा तथा अपनी संस्कृति से वंचित किया, और भारतीय लोगों को आपस में ही उच्च निच्च जाती यों में लड़वाया, फिर भारत में मुगल आगमन आरंभ होता हैं, इतिहास पढ़ाते वक्त पेहला आक्रमण मुग़ल का बताया गया है, लेकिन

CONTENTS

Copyright Declaration II

Dedication V

Acknowledgements XII

Foreword XV

Preface XVIII

Prologue XXI

Chapter 1
ਚੇਪ੍ਟਰ 2 *27*

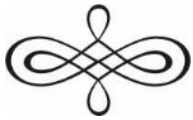

1. चेप्टर 2

भारत पर पेहले वेस्ट युरेशीयन यहुदी ब्राह्मणों ने हमला किया है, फिर मुग़ल आएं हैं, फिर उसके बाद फ्रांस, डच, पुर्तगाल, ईस्ट इंडिया कंपनी, ब्रिटिश राज इन सब का भी आगमन हुआ। हमने विश्व को गौतम बुध दिया है, बुध का मतलब होता हैं, बुध्दि और उसी बुध्दि का इस्तेमाल कर तुम्हें अन्धभक्त और मानसिक रुप से गुलाम बनाया जा रहा है, ताकि तुम अपने असली इतिहास से परिचित ही ना हो पांवों, इसीलिए आज विश्व में सबसे अधिक मुर्तियां गौतम बुध कि है, इस्लाम में बुत शब्द भी गौतम बुध कि वजह से हैं, ईसाई धर्म को जन्म देने वाले भी हम भारतीय लोग ही हैं, इसा मशी 17 से 30 कि आयु में भारत में ही थे, उन्होंने यहां बौद्ध धम्म का ज्ञान दिया, और युरोप कन्ट्री में समानता, का संदेश दिया, लेकिन OMG के कान्जी भाई कि तरहां कुछ धर्म के ठेकेदारों ने एक नया धर्म बना कर अपनी दुकान कि सुरुवात कि, ठीक इसी तरहां यहां भारत में 19, और 21 वी सदी में सम्राट असोक जी के बनाएं गए बौद्ध विहार और स्तुपो पर कब्ज़ा कर ब्राह्मणों ने बुध कि मुरतीयों को लींग परिवर्तन कर काल्पनिक ईश्वर बना कर मुर्ती पुजा के जरिए अपने ब्राह्मण वर्ण व्यवस्था कि स्थापना कि, जी से आप हिन्दू सनातन धर्म समज कर पुज रहें हों, भारत का गौरव शाली इतिहास गौतम बुध है, और उन्हें "विश्व गुरु" और "लाईट ओफ एशिया" बनाने वाले चक्रवर्तीन सम्राट असोक जी है, और 21 वीं सदी में भारत का गौरव शाली इतिहास डॉ भीमराव अम्बेडकर जी है, क्यों कि उनसे ज्यादा पढ़ा लिखा इंसान आज़ तक धरती पर पैदा नहीं हुआ, इसीलिए डॉ भीमराव अम्बेडकर जी को symbol of knowledge in the world और legend of India मतलब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी को कहा जाता हैं,

हम भारत के लोगों का असली इतिहास इसी यूट्यूब चैनल पर है, और ब्राह्मणों द्वारा लिखें गए दस्तावेज में कितनी अष्लीलता, अवैज्ञानिकता, क्रुरता, हिंसा कितने भारी मात्रा में लिख रखें हैं, यह सबुत है कि कैसे इन विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी यहुदी ब्राह्मणों ने भारत को गुलाम बनाएं रखा था, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी के

इन यहुदी ब्राह्मणों के लिखें हुए दस्तावेज, धर्म, महाकाव्य में केसे बोहोत बारिकी से "हम भारत के लोगों" का चरित्र हनन किया गया हैं,

जीस तरहां गुमशुदा बच्चों को बाप का नाम, मां का नाम, कहा रेहता हैं, यह सब होना जीतना जरूरी है, उतना ही हम लोगों को अपने इतिहास के बारे में पता होना जरूरी है, हम अपने असली इतिहास को ही भुल गए हैं, इसलिए हम वेस्ट युरेशीयन पंचमगी यहुदी ब्राह्मण, मुग़ल, फ्रांस, डच, पुर्तगाल, ईस्ट इंडिया कंपनी, ब्रिटिश राज इन सब का भी गुलाम हुएं।

जीन देशों कि हमसे आंख मिलाने कि हिम्मत नहीं थी वह सब देश आज भारत से कई गुना ज्यादा आगे बढ़ गये हैं, और हम यहां भारत में पिछले 75 से अधिक वर्षों से हीन्दु मुस्लिम, हिन्दुस्तान पाकिस्तान में उलझे हुए हैं, भुलीए मत हमने विश्व को बुध दिया है, जिसकी वजह से, वास्तविक सत्य, विज्ञान, अहिंसा, शांति, प्रेम का जन्म हुआ है,

अधिकार था, और नाही मंदिरों में इनका प्रवेश वर्जित था, इसीलिए आज़ पुरे अखंड भारत में 48% से अधिक आबादी मुसलमानों कि है, वक्त के साथ साथ अंखड भारत से खंड खंड होकर कुछ भारत के हिस्से, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश जेसे देशों का भी निर्माण हो गया, और आज भारत में भी कम से कम 19 से 20 करोड़ आबादी मुसलमानों कि है, यह सब बुद्धिस्ट लोग थे, जो विदेशी ब्राह्मणों द्वारा शुद्र और अछुत बनाएं गए थे, जो मुग़ल शासन काल में इस्लाम की और कनवर्ट हों गए, यह इतिहास है भारत के मुसलमानों का, इसीलिए भारत के मुलनिवासी यों का DNA मुसलमानों से मेच हो जाता हैं, लेकिन विदेशी वेस्ट युरेशियन पंचमगी यहुदी ब्राह्मणों का DNA भारत के मुलनिवासी यों से मेच नहीं होता।

भारत को अंग्रेजों से आजादी 1943 को ही मिल चुकी हैं, और भारत के पहले प्रधानमंत्री, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा, यह नारा लगाने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी है, लेकिन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का 1945 को अचानक गायब हो जाना यह कोई साधारण घटना नहीं है,। और राजनीतिक नज़र से भारत के पहले प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल होने चाहिए थे, और डॉ भीमराव अम्बेडकर जी भी यही चाहते थे, लेकिन विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी ब्राह्मणों कि घटिया मानसिकता ने काश्मीरी पंडित जवाहरलाल नेहरु को 1947 में भारत का पहला प्रधानमंत्री नोमिनेट किया, तब यह भारत देश फिर से ब्राह्मणों का गुलाम हो गया, अंग्रेजों से आजादी के बाद जब ब्राह्मणों को पता चला कि डॉ भीमराव अम्बेडकर जी भारत में लोकतंत्र कि स्थापना करने वाले हैं, चुनाव होगा जो जितेगा वह राज करेगा तो ब्राह्मणों के पैरों तले जमीन खिसक गई, और वह लोग समझ गये कि ब्राह्मण तो अल्प संख्यक हैं, और राजनीतिक रुप से अछुत हों जायेगा, क्यों कि मोर्या साम्राज्य का पतन करने के बाद भारत पर कइ सदियों से ब्राह्मण षड़यंत्र पुर्वक शासन

करता आ रहा है, तभी भारत के सभी ब्राह्मणों ने एक योजना बनाई, और वैदिक, ब्राह्मण धर्म को हिन्दू कहने लगा, और सभी ब्राह्मण समाज में यह बात समझा दि, के राजनीती के लिए हम हिन्दू हैं, बाकी हम ब्राह्मण है, इस षड़यंत्र के तहत भारत का पहला प्रधानमंत्री नेहरू बना और भारत फिर से ब्राह्मणों का गुलाम हों गया,

लेकिन डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने बि एन राऊ जी के साहायता से भारत का संविधान लीख डाला और 26 जनवरी 1950 मे उसे स्थापित करवा दिया,

जींसे हम लोकतंत्र दिवस केहते हैं , उस दिन डॉ भीमराव अम्बेडकर जी सदन से खुश हो कर बाहर निकल रहें थे, तब कांग्रेस के नेता आचार्य क्रिपलानी जो कि एक ब्राह्मण था उसने डॉ भीमराव अम्बेडकर जी से पूछा आज़ आप बोहोत खुश नजर आ रहे हैं, जवाब देते वक्त बाबासाहेब ने कहा हां मैं बोहोत खुश हुं,अब मेने एसी व्यवस्था बना दि हैं, कि राजा अब किसी रानी के पेट से जन्म नहीं लेगा, और नाही किसी महाराजा के घर पैदा होगा, अब राजा मतदान पेटि से जन्म लेगा, तभी आचार्य क्रिपलानी ने कहा आपकि यह खुशी ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं हैं, आपके 85% वोट बैंक OBC ST SC के लोग अनपढ़ हैं, गरिब है, भीखमंगे है, क्यों कि हम लोगों ने तुम्हारे लोगों को ऐसा बना रखा है,कि अब हम लोग, आपके लोगों के वोट खरिद कर अपनी सरकार बनायेंगे, और भारत पर फिर से हम ही लोग शासन करेंगे, तभी डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने कहा, मुझे पता है मेरे लोग अनपढ़ हैं, गरिब है, आप लोग कुछ ही दिन यह सब कर सकते हों, क्यों कि जीस दिन मेरे लोगों को अपने वोट कि सहि किमत पता चलीं उस दिन मेरे नज़र में, तुम ब्राह्मणों से बड़ा भीखमंगा और कोई नहीं होगा, मेने सभी को वोटिंग का अधिकार इसीलिए दिया है, कि वह लोग वोट करते करते सोचने पर मजबुर हो जायेंगे, और उन्हें अपने वोट कि सहि किमत पता चल जाएगी, तब से RSS , बजरंग दल के ब्राह्मणों ने भारत में बोहोत ही धार्मिक प्रदूषण फेलाया, गोधरा काण्ड, पुलवामा अटेक, मुम्बई ब्लास्ट, जेसे अटेक करवाये और उसे धार्मिक आंतकि हमलों का नाम दिया, और श्लोगन के तौर पर हिन्दू मुस्लिम राजनीति कि गई, यह RSS के वहीं लोग हैं जिन्होंने 1948 में तिरंगे को पैरों तले रौंदा था, और 1949 को डॉ भीमराव अम्बेडकर का पुतला जलाया था, तबसे बाबासाहेब के लोग, मतलब 85% OBC, ST, SC के लोगों को हिन्दू, सनातनी के नाम से ब्राह्मण लोग अपना वोट बेंक बटोर रहे हैं, और अपनी सरकार बना रहे हैं, पुरे भारत में हजारों जातीया है, और 75 सालो से ब्राह्मणों ने बोहोत ही बारिकी से हम लोगों को धार्मिक उन्माद में उलझाकर अपने मुद्दों से भटकाने का काम किया है, और कर रही है, और भारत देश के

मुलनिवासी यों के हक़ और अधिकार से वंचित कर रही हैं, क्यों कि आरक्षण को बोहोत बारिके से खत्म किया जा रहा है, और देश कि नीजी संम्पती को कुछ चुनिंदा शेठ के हाथों सोंप दिया जा रहा है, आरक्षण यह हम भारतीयों का हक़ और अधिकार है, यह भारत का संविधान ऐसा दस्तावेज हैं, जिसमें डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने OBC ST SC के नाम भारत यह देश कर दिया है, इस देश का असली मालिक OBC ST SC के लोग हैं, अगर देश में मंडल कमीशन और बेकवड कमीशन लागु हो गया तो, डायरेक्टर बेकवड वाले 18 करोड लोगों को सरकारी नौकरी का प्रावधान हों जायेगा, क्यों कि भारत के संविधान में सबसे पेहला रिजर्वेशन 340 OBC का हैं, हालांकि यह केटेगरी का रिजर्वेशन पुरी तरह से ओपन हि नहि किया गया, और इनके साथ साथ ST,SC वाले लोगों को भी संविधान के तहत 7.9 करोड़ नौकरियो का प्रावधान हों जायेगा, क्यों कि भारत के संविधान में दुसरा रिजर्वेशन 341, ST का हैं, और जिसने संविधान लिखा है, उसी का रिजर्वेशन लास्ट में है, 342,SC क्यों कि बाबासाहेब ब्राह्मणों के षड़यंत्र से अच्छी तरह से वाकिफ थे, के हिन्दू मुस्लिम के नाम पर यह लोग सत्ता में राज़ करेगें , इसीलिए बाबासाहेब ने रिजर्वेशन को लागू करवाया, और लिख दिया जीसकी जीतनी आबादी, उतनी उसकी हिस्सेदारी, यह ब्राह्मणों के लिए कलयुग का श्राप बन गया, क्यों कि बाबासाहेब ने सभी लोगों को समान हक़ और अधिकार दे दिए थे, क्यों कि संविधान के पहले केवल ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य को ही, हक़ और अधिकार थे, लेकिन डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने शुद्रो और अछुतों को भी हक़ और अधिकार दे दिए, और ऐसा हुआ तो ब्राह्मणों के हाथों से एडमिनिस्ट्रेटिव पावर और पोलिटिकल पावर ख़त्म हो जायेगा, इसलिए भारत के मुलनिवासी यों को कभी जाती के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर मुद्दों से भटकाने का काम कर रही हैं, इन ब्राह्मणों का एक ही मंत्र है, ऐसी वाणी बोलिए कि जम कर झगड़ा होय हिन्दू मुस्लिम कट मरे सत्ता ब्राह्मणों कि होय। इसीलिए RSS के ब्राह्मणों ने सत्ता में बने रहने के लिए, और सत्ता में ब्राह्मणों का वर्चस्व कायम रखने के लिए , 52% आबादी वाले गुजराती बेकवड कास्ट वाले नरेंद्र मोदी को नोमिनेट किया है, 52% OBC वोट बैंक जहां होगा, वहां बहुमत होगी, इसीलिए भारत की जनता को मुर्ख बनाने के लिए RSS के ब्राह्मणों ने मोहरें के तौर पर नरेंद्र मोदी को रखा गया है, नरेंद्र मोदी यह भाई साहब गुजरात के बेकवड कास्ट का आदमी है, और यह भाई साहब भी प्रधानमंत्री बन कर मौज करने के लिए RSS वाला बन बैठा है,

वर्तमान समय में 3.5% ब्राह्मणों कि आबादी वाले लोगों कि सात से अधिक नेशनल लेवल कि पार्टीया शामिल हैं, जिसमें कांग्रेस, बीजेपी,आप पार्टियां शामिल हैं, ताकि सत्ता में केवल ब्राह्मण का वर्चस्व बना रहें, इस हिन्दू मुस्लिम कि राजनीति में कांग्रेस जायेंगी बीजेपी आएगी, बीजेपी जाएगी तो आप आएगी और हिन्दू मुस्लिम कि राजनीति करके OBC

ST SC के लोगों के वोट बटोर कर सत्ता में ब्राह्मणों का वर्चस्व को कायम रखा जाएगा,

काफी दिनों बाद अपने घर के बगल में रहने वाले अंकल के वहां में गया, अंकल ध्यान पूर्वक न्युज देख रहे थे, जहां हिन्दू मुस्लिम, हिन्दुस्तान पाकिस्तान हों रहा था, में तो घर में घुसते ही खुर्ची पर बैठ गया, लेकिन अंकल अचानक न्यूज देखते हुए गुस्से में बड़बड़ाने लगें और केहने लगें सारी समस्या कि जड़ मुसलमान हैं, पता नहीं मोदी जी इस समस्या का हल कब निकालेंगे, जब में अंकल के पास गया तब में चुपचाप बैठा था और अंकल को देख रहा था, फिर मैंने धीरे से बोला अरे अंकल में कितनी देर से बैठा हु, आप बस टिवी न्यूज में ही देख रहें हों, थोड़ा ध्यान हम पर भी दो, मुझसे भी दो चार बातें कर लो। तुरंत अंकल ने मेरी और देखा और केहने लगें सोरी बेटा आजकल थोड़ा दिमाग ख़राब सा रहने लगा है, इसलिए ध्यान नहीं दे पाया बेटा, अंकल ने मुझसे पूछा और बताओं बेटा सबकुछ कैसा चल रहा है, सब खेरियत तो है ना, जबाव में मेने कहा जी हां अंकल सबकुछ ठीकठाक है, और इसी बात पर मेने पुछा क्या बात है अंकल आज़ कल आप काफी टेंशन में नजर आ रहे हों, अंकल कुछ सेकंड शांत रहें और बोलने लगे, क्या ही बताऊं बेटा, जेसे जेसे रिटायरमेंट नजदीक आ रही हैं, वैसे वैसे टेंशन का बोझ बढ़ता नजर आ रहा है, क्यों कि पेहले कि तरहां अब कोई पेंशन भी तो नहीं मिलने वालीं है, सोच रहा हूं आगे का गुजारा केसे होगा, छोटे लड़के कि कोलेज कि फिस रेंक भी इतने अच्छे आएं थे, बड़े बड़े इन्स्टीट्यूट में नंबर भी लग गया था, मगर सरकार ने सालाना फीस को 50,000 से सिधा सालाना फीस 10, लाख कर दी, चार साल में 40,लाख बताओं इतने पैसे कहां से लाएंगे, बच्चों ने धरने प्रदर्शन भी किया, तब जाकर फिस 30 लाख हुई, लेकिन 30 लाख भी कहा से लाएंगे, में थोड़ा चप रहा, और बोला वेसे अंकल बडा वाला लड़का कैसा है, सुना है वह आजकल दिल्ली में खुब तरक्की कर रहा है, सुना है किसी बड़ी कंपनी में मैनेजर कि पोस्ट कर रहा है, अंकल ने जवाब देते हुए कहा, अरे बेटा वोह भी क्या कर सकता है, पेहले नोट बंदी के वज़ह से उसकी नौकरी गई, फिर दुसरी लोकडाउन के वज़ह से गई, और अब कुछ दिनों से ही किसी प्राइवेट कंपनी में जॉब लगी है, पर उसका भी कोई भरोसा नहीं है, कि कब कोनसे बहाने से निकाल दें, कोई भरोसा तो है नहीं प्राइवेट सेक्टर का, इतना सुनकर मेने अंकल के हा में हा मिलाइ और बोला वेसे अंकल बडा वाला थोड़ा मेहनत करता और गोवरमेन्ट जोब के लिए तैयारी करता तो भी सही रेहता ना, अंकल ने कहा अरे बेटा वोह भी करवाया 2 साल भर्ती में भी था लेकिन आजकल गोवरमेन्ट जोब बचीं ही कहां है, सब कुछ तो प्राइवेट सेक्टर के हाथों में है, तभी तो आज प्राइवेट जॉब कर रहा है, मेने कहा अच्छा। फिर मैंने कहा वैसे आंटी जी कैसी है, तबीयत वगैरा ठिकठाक है ना, अंकल ने अपने सर पर हाथ रखा और बोलें बेटा कुछ ठीक नहीं है आंटी, परसों ही पार्क में सुबह सुबह टहलने गई थी, एक बाइक में दो लोग सवार होकर आए और आंटी कि चैन गले से छिनकर चलें गये, और तुम्हारी आंटी इतनी बुरी तरह गीरी के उसे

अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा, अंकल बड़बड़ाते हुए बोलने लगे कि क्राइम कितना बढ़ चुका है आज़ कल, कब कोन क्या कर देगा, जेसे कानून का किसीको डर हि ना हो, उपर से सरकार भी कोई कार्रवाई नहीं करती, के कानुन व्यवस्था को मजबूत बनाया जाएं, 90 हजार कि सोने कि चैन अपराधी लेकर फरार हो गया, जो अबतक मिला ही नहीं, मेने अंकल से कहा छोड़ो अंकल चैन को चैन तो फिर से कमा लेंगे आंटी तो बच गई ना, अंकल ने जवाब देते हुए कहा अरे बेटा तुम्हारी आंटी उस दिन से लेकर अब भी बेडरेस्ट में पड़ी है, तुम्हारी आंटी को तों पेहले से ही पथरी और कमर का दर्द हैं, हर महीने 20 से 22 हज़ार रुपए दवाई के पीछे चला जाता हैं, आजकल इलाज करवाना भी कितना मेहगा हों चला हैं, अंकल बोले बेटा कभी कभी मैं खुद इस डर से बीमार नहीं होता के इलाज के लिए पैसे फिर मैं कहां से लाऊंगा, मेने अंकल के हा में हा मिलाया और बोला कि गोवरमेन्ट अस्पताल भी तो है ना, अंकल ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा बेटा जब-तक ओपीडी कि पर्ची कटनी हैं, तब-तक तो इंसान कि उपर कि टिकट कट जाती हैं, अगर गोवरमेन्ट अस्पताल में अच्छा इलाज होता तो हमें कोई शोक चढ़ा है क्या प्राइवेट अस्पताल में अपने पैसे बर्बाद करने का, मेने कहा कभी कभी ऐसा हो जाता होगा।

फिर अंकल ने कहा आजकल मेहंगाई इतनी बढ़ चुकी है कि मार्केट कि और मुंह करके सोने का भी दिल नहीं करता, मेने भी कहा अंकल यह बात तो आप बिल्कुल सही केह रहें हों, पेट्रोल डीजल भी कितना मेहगा हों गया है, अंकल ने कहा अरे बेटा किस दुनिया में जी रहे हों, आज़ कल ऐसा क्या बचा है, जिसमें मेहंगाई ना बढ़ी हों, मेरी तो बोलती बंद हो गई अंकल का सवाल सुनकर, अंकल ने यह भी कहा कि कभी कभी मैं खुद हेरान हों जाता हूं कि तुम लोग अपना काम कैसे चलावोगे, तुम लोग अपने बच्चों को कैसे अच्छी परवरिश दे पाओगे, और कैसे पालोगे। फिर में कुछ सेकंड शांत रहा और बोल पड़ा अरे अंकल अब आपकी परेशानी समझ आई, कितनी सारी समस्या है अंकल, आपके पास पेंशन नहीं हैं, बच्चों के पास अच्छा रोजगार नहीं हैं, अज्यूकेशन मेहंगी है, इलाज मेंहगा हैं, पेट्रोल, डीजल,तेल, सीलीन्डर, बिजली, खाने कि चिजे सबकुछ मेंहगा हैं, क्राइम बढ़ रहा है, भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, इतनी सारी समस्याएं हैं, लेकिन इतनी सारी समस्याओं में मुसलमान तो कहीं भी नहीं है अंकल, आप तो केह रहे थे कि सारी समस्या कि जड़ हि मुसलमान हैं, अंकल सोच में पड़ गये हैं, मेने अंकल को कहा आपको पेंशन नहीं मिल रही हैं, मोदी सरकार के वज़ह से, बच्चों की अज्यूकेशन मेंहगी हों गई, मोदी सरकार के वज़ह से, क्राइम बढ़ रहा है, बेरोजगारी के वज़ह से, बेरोजगारी बढ़ रही हैं, मोदी सरकार के वज़ह से, इलाज मेहंगा मोदी सरकार के वज़ह से, पेट्रोल, डीजल तेल, सिलींडर खाने पीने कि चीजें मेहगी मोदी सरकार के वज़ह से, तो अंकल मुझे यह बताओं कि मुसलमान समस्या कि जड़ कैसे हुएं, अकंल आज़ तक सदमे में हैं, और बोलें अरे बेटा यह तो मेनेल कभी सोचा ही नहीं, वो टिवी न्यूज चैनलों पर तो सारा दिन हिन्दू मुस्लिम हिन्दुस्तान पाकिस्तान हों रहा है, मेने कहा

बिलकुल सही अंकल मीडिया में यहीं सबकुछ दिखाया जाता हैं, ताकि आपके सबकोन्सीयस माइंड पर कब्ज़ा किया जा सके, ताकि आप हिन्दू मुस्लिम करते रेह जाओ, और अपनी असली समस्या देश कि और अपने हित के बारे में कुछ सोच ही ना पाओ,।

अंधभक्त,। भैया जी हमने एक समारोह रखा है हमने अखंड भारत हिन्दू राष्ट्र का, में ने कहा अखंड भारत या हिन्दू राष्ट्र, अंधभक्त ब्राह्मण वर्ण व्यवस्था कि अफिम चाटकर नशें में धुत होकर बोला दोनों भाईसाहब, अखंड भारत भी और हिन्दू राष्ट्र भी, में ने कहा दोनों भला कैसे हो सकता है, या तो भारत हिन्दू राष्ट्र बन सकता है, या फिर अखंड भारत। अंधभक्त बोला यह क्या बात हुई भाईसाहब जैसे पाकिस्तान मुस्लिम राष्ट्र बन सकता है, तो उसी तरह भारत भी हिन्दू राष्ट्र बन सकता है, फिर मैंने कहा और अखंड भारत, अंधभक्त बोला हा वहीं पुराना अखंड भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान जैसे सभी राष्ट्र पेहले अंखड भारत का हिस्सा ही तो थे, अब तों बीजेपी के मोदी ने भी नये संसद भवन में अखंड भारत का नक्शा लगा दिया है, यानी के मिशन सुरु हो चुका है, ज्यादा नहीं आजादी के पहले सभी तो भारत के हिस्सा ही तो थे, में ने कहा हा बंटवारा बोहोत ग़लत हुआ भाईसाहब, पर यह तो सावरकर और जिन्ना के हित कि बात थी, तुम लोग अपना सोचों अपने हित कि बात करो, तुम लोगों का क्या हैं बंटवारे में, अंधभक्त बोला आ...म.... हम तो सुरुवात से ही बंटवारे के खिलाफ थे, फिर मैं बोला तो फिर यह सावरकर और जिन्ना कौन थे, जो जाती, धर्म मज़हब के नाम पर अलग-अलग राष्ट्रों कि वकालत कर रहे थे, मेने यह भी कहा के वोह लोग कौन थे जो ब्रिटिशर्स के कठपुतली बन कर हिन्दू और मुसलमान लोगों में झगड़ा और दग्गे का माहौल बनाया, भारत के लोगों को बंटवारे के लिए प्रेरित करने वाले कौन थे, अंधभक्त बोला कोई कुछ भी कर रहा होगा , तब तों गांधी भी थे वह क्यु कुछ नहीं बोले , मेने कहा बोलें थे और डॉ भीमराव अम्बेडकर जी भी बोलें थे, वोह बोले थे में जानता हूं के आज़ हमारे बिच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक तौर पर फुट हैं, हम भारत के लोगों में काफी वैचारिक संघर्ष भी है, और में तो यहां तक भी कहुंगा कि में खुद ऐसे ही वर्ग का एक नेता हु, लेकिन महोदय इसके बावजूद मुझे पुरा विश्वास है, के दुनिया कि कोई भी ताकत कोई भी शक्ति इस देश को एक होने से नहीं रोक सकती, हालांकि मुस्लिम लीग इस बात पर जोर दे रही हैं कि भारत का बंटवारा कर देना चाहिए, लेकिन एक दिन उनको एक बात जरूर समझ में आएगी के भारत का बंटवारा उसके हित में नहीं है, बल्कि अखंड भारत उनके लिए ज्यादा बेहतर होगा,। और हम आज़ पाकिस्तान कि हालत तो देख ही रहे हैं, यहां तक कि हम तो बोहोत रफ़्तार से पाकिस्तान के जेसे कंगाली कि और बढ़ रहें हैं, आज़ हर इंसान पर देड से दो लाख तक का कर्ज है सरकार का जनता पर, उस समय लोगों को बोहोत समझाया गया अम्बेडकर द्वारा लेकिन उस समय उनके सामने तुम जैसे अनपढ़, पढ़ें लिखे गवार अंध-भक्त थे, उस समय डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के सामने चुनौतियां और तुम जेसे चुनौतिए थे, जिन्हें हिन्दू मुस्लिम के अलावा

कुछ और समझ ही नहीं आ रहा था, देश के दूश्मनो ने धर्म, मज़हब के नाम पर लोगों में इतना जहर घोल दिया था, के बंटवारे के सिवाय कोई रास्ता ही नहीं बचा। वैसे भी समानता, बधुंता, अहिंसा, भाईचारे कि बात हर किसी को समझ में भी कहा आतीं हैं, क्यों कि उस समय तो भारत में ब्राह्मण वर्ण व्यवस्था थी जहां देश कि 85%आबादी वाले शुद्रो अछुतों को पढ़ने लिखने का अधिकार हि नहि था, सो अनपढ़ गंवार लोगों को भला एक पढ़ा लिखा अम्बेडकर कितना समझाता कुछ लोगों ने उनकी बात मान ली और इस नफ़रत भरी संप्रदाय को जड़ से खत्म करने के लिए बौद्ध धम्म कि और बढ़ गये, क्यों कि अम्बेडकर जी ने उन्हें कहा था यह ब्राह्मणों द्वारा रचित वर्ण व्यवस्था जींसे आप हिन्दू धर्म समझ कर पूज रहे हों, वह धर्म भारत का अतुट हिस्सा भारतीय संस्कृति सभ्यता वाले बौद्ध धम्म को रोंदकर हि ब्राह्मण धर्म कि दुकान लगाई गई हैं, इसीलिए डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने 22 प्रतिग्याए दोहराई है, और आज तुम अंधभक्तो को ही देख लो , दुनिया कि एसी कोई ताकत है, जो तुम लोगों को समझा सके कि हिन्दू मुस्लिम कि नफ़रत मत बांटो, तुम लोगों को इतना भी समझ आता है, के हिंसा से हिंसा खत्म नहीं होती, हिंसा को खत्म करने के लिए अहिंसा के मार्ग पर उतरना होगा, अब अंधभक्त सोचकर बोल रहा है, कि आप हमारी बातों को छोड़ो अपकी भी बातों को छोड़ो इतिहास कि बात करो ना, में ने कहा हा यह भी बात है आज़ कल कोई आज कि बात कर ही कोन रहा है, सब लोग तो आज़ कल इतिहास कि बातें कर रहे हैं, यह दुनिया का पहला ऐसा देश है, जो अपने इतिहास के लिए अपने वर्तमान कि बली दे रहा है, बंटवारे के समय भी यही हों रहा था, और आज़ भी यही हों रहा है, हिन्दू मुस्लिम हिन्दुस्तान पाकिस्तान हिन्दू मुस्लिम..... अंग्रेजों कि फुटनीती डालो यह पोलीसी भारत पुरी तरह से लागू थी, सावरकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर सरकार चलाने वाले मोहम्मद अली जिन्ना ने ऐसे हालात बना दिए थे कि बंटवारे को रोकने के लिए पहली शर्त हि यह थी के भारत के पहले प्रधानमंत्री जिन्ना तथा मुस्लिम लीग का कोई प्रधानमंत्री हों, मतलब तुम अंधभक्तो को भारत का पहला प्रधानमंत्री जिन्ना मजुंर था, लेकिन नेहरू नहीं, तुम लोग तो हिन्दू के बोहोत बड़े शुभचिंतक है, तुम लोगों को बंटवारे का कोई दर्द नहीं हीं, असली दर्द यही है कि जिन्ना प्रधानमंत्री बनता, श्यामा प्रसाद उप प्रधानमंत्री बनते, और सावरकर राष्ट्र पिता सहि कहा ने में, अंधभक्त बोखलाहट के साथ बोला कुछ भी भाईसाहब, में बोला कुछ भी नहीं है, यही सच हैं, तुम लोगों कि सारी बातों का अंतिम मतलब यही निकलेगा, जरा सही से भारत का इतिहास तथा संविधान पढों, हम लोगों को तो तुम अंधभक्त सेक्युलर, मुस्लिम प्रोडक्ट, धर्म विरोधी बोलकर खारिज कर देते हों, लेकिन में अगर तुम लोगों कि जगह आकर सोचु तो यह बताओं देश का पहला प्रधानमंत्री मुस्लिम होता तो आज हमारे हिन्दू राष्ट्र के अजेन्डे का क्या होता, सोचों देश का बंटवारा नहीं होता, और जो लगभग भारत के 20 करोड़ मुसलमान लोगों ने यहि स्वीकार किया कि पाकिस्तान नहीं भारत हमारी भुमि है, और यही 20 करोड़ मुसलमानो के वज़ह से 100 करोड़ हिन्दू ख़तरे में है, अगर सोचों पाकिस्तान के 23 करोड़, और बांग्लादेश के 16 करोड़ लोग भारत में

होते तो हिन्दू कितने ख़तरे में होता भाईसाहब, अन्धभक्त बोला अरे भाई यह तो आप भारत की बात कर रहे हैं, हमारा अजेन्डा तो अखंड भारत हिन्दू राष्ट्र बनाने का हैं, में बोला अरे अनपढ़ पढ़ें लिखे गवार अखंड भारत का मतलब भी यही है, पाकिस्तान के 23 करोड़, बांग्लादेश के 16 करोड़, म्यांमार बर्मा इन्डोनेशीया के 24 करोड़, अफगानिस्तान के 4 करोड़ और बाकी जो छोटे मोटे देश है जैसे नेपाल, भुटान, श्रीलंका, जैसे देश 9.10 करोड लोगों को मिला कर अखंड भारत हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हों, या इस्लामिक राष्ट्र बनाना चाहते हों, मेरी बातें सुनकर कर अंधभक्त को इस बात का एहसास हुआ है, की वह कोई अन्धभक्त नहीं, उसके पास भी दिमाग है, वह भी सोचने पर मजबुर हो सकता है, और सत्य और असत्य का फर्क कर सकता है,

अभी कुछ दिनों पहले सावरकर पर रणदीप हुडा कि एक फिल्म रिलीज हुई हैं, उसे देखने के बाद वही अन्धभक्त मुझे फोन लगा कर केहने लगा जय श्री राम भैया जी, हमारे सावरकर जी पर फिल्म आई है, आपने देखी क्या, मेने कहा नहीं, अन्धभक्त बीना सोचें समझें बोला अगर गांधी अपने अहिंसा वादी सोच ना रखतें तो यह भारत अंग्रेजों से 35 साल पहले ही आज़ाद हो चुका होता, में बोला अरे मेरे भोले भाले अन्धभक्त बेवकूफ, कोन सी आजादी कि बात कर रहे हों, 2014 वालीं या 1947 कि बात कर रहे हों, अधंभक्त हंसते हुए बोला मजाक नहीं हैं भाईसाहब में फेक्ट्स कि बात कर रहा हूं, ज़रा सोचो भारत को अंग्रेजों से आजादी 35 साल पहले ही मिल चुकी होती, तो आज हमारा भारत कहा से कहा होता, सोचों भाईसाहब ना भारत का बंटवारा हुआ होता, ना पाकिस्तान अलग देश बनता, ना बांग्लादेश अलग देश बनता थोड़ा तो सोचो ना भाईसाहब पाकिस्तान के साथ युद्ध भी हुआ ना होता, ना ही कश्मीर में हिन्दू मुस्लिम का झगड़ा होता, और नाही भारत में आंतकि हमलें होते, सोचों आज़ हमारा देश 35 साल आगे होता, फिर मैं अन्धभक्त कि बात सुनकर बोला, अबे दिमाग से पैदल इंसान जब तु इतना सोचों सोचों बोल रहा है, तो यह भी सोचों अंग्रेज भारत में आंतें हि नहि, जो भारत अंग्रेजों के आने से पहले 651 भागों में बटा हुआ था, यहा भारत में तब भी मुगल और ब्राह्मणों का शासन कायम था, तुम्हें 651 टुकड़ों में जोड़ कर भारत बनाने वाले अंग्रेज मुठ्ठी भर संख्या में आने वाले लोगों ने भारत पर केन्द्र शासन कर लिया, क्यों कि तब तुम लोग ब्राह्मणों कि वर्ण व्यवस्था में मानसिक रुप से बिमार लोग आपस में ही उच्च नीच जाति के वज़ह से ही आपस में कुत्ते कि तरह लड़ते थे, इसी लिए तो तुम मुग़ल, फ्रांस, डच, पुर्तगाल, ईस्ट इंडिया कंपनी, ब्रिटिश राज इन सब के भी गुलाम हुएं, यह तो मुझे पता हि है कि तुम लोगों कि जो इतिहास को समझने कि जो सोच है, वह चौथी पास राजाओं जैसी है, लेकिन कम से कम स्कूल में जोड़ घटा तो सही से सिख लेते, अन्धभक्त चिड़ते हुए बोला क्या मतलब, तुम केहना क्या चाह रहे हों, में ने कहा मतलब समझो गांधी नहीं होते तो भारत अंग्रेजों से 1947 के बजाए 35 साल पहले मतलब 1912 में ही आज़ाद हो जाता, अन्धभक्त बोला बिल्कुल। फिर मैंने कहा अरे भाई गांधी साऊथ अफ्रीका से 9 जनवरी 1915 को लौटें थे, इसीलिए तो 9

जनवरी को भारतीय प्रवासी दिवस मनाया जाता हैं, साऊथ अफ्रीका से लोटने के बाद गांधी स्वतंत्र आंदोलन में जुड़े, गांधी जब भारत में थे ही नहीं तो उन्होंने आजादी कैसे लेट करवा दी,

मेने यह भी कहा कि मोहनदास गांधी ने नहीं, एक भारतीय मुसलमान ने दिया था अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा, जय हिन्द का नारा लगाने वाला भी एक भारतीय मुसलमान था 1857 की क्रांति से लेकर असहयोग आंदोलन तक नजाने कितने आंदोलन की शुरुआत भारतीय मुसलमानो ने की है, भारत कि आजादी के बाद अंग्रेजों ने कहा था यदि भारतीय मुसलमान नहीं होते तो यह भारत आज भी उनका गुलाम होता, अंग्रेजों से आजादी के महासंग्राम में हर धर्म, जाती, संप्रदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था, लेकिन आज के समय में भारतीय मुसलमान के योगदान के बारे मैं बोहोत ही कम लोग जानते हैं, अंग्रेजों से भारत की आज़ादी में भारतीय मुसलमानो का महत्व पूर्ण योगदान रहा है, सन् 1857 की क्रांति के पेहले हि बगावत के सुर उठने लगे थे, औरंगजेब के शासन काल तक अंग्रेज कभी भी भारत को गुलाम नहीं बना पाए थे, 1757 में बेटल ओफ प्लासी के बाद हालात बदलने लगे थे, सबसे पेहले मौलाना हुसैन अहमद मदनी ने फतवा जारी कर कहा था, अंग्रेजों कि गुलामी करना या अंग्रेजों की सेना में शामिल होना हराम है, उसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया और उन्होंने कोर्ट में भी यही फतवा दोहराया, और कहा मैं जिंदगी भर ऐसे ही फतवे देता रहुगा, यह बात सुन कर ब्रिटिश जज को गुस्सा आया और मौलाना हुसैन अहमद मदनी को फांसी की सज़ा सुना दी गई, सन 1772 में शाह अब्दुल अज़ीज़ ने फतवा जारी कर भारतियों के दिलों में क्रांति की मशाल जलाई, और उन्होंने कहा था हमें भारत से अंग्रेज़ो को भगाना होगा, और भारत देश को अंग्रेजों से आजाद कराना होगा, इसके बाद मैसुर के सुल्तान हैदर अली और उनके बेटे टिपु सुल्तान ने अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ बगावत कि और अंग्रेजों को युद्ध के लिए खुली चुनौती दी, टिपु सुल्तान को आज भी शेरे मैसूर के नाम से जाना जाता हैं, वह अपने आखिरी दम तक अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते रहे, और जंग में शहिद हों गये, विश्व में सबसे पेहला रोकेट भी टिपु सुल्तान द्वारा बनाया गया था, सन् 1857 की क्रांति में भी भारतीय मुसलमानो ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था, इस क्रांति का जब भी ज़िक्र होता हैं तो, अंधभक्तो को मंगल पांडे का हि नाम याद आता है, क्यों कि अंधभक्तो को इतिहास हि ग़लत पढ़ाया गया है, लेकिन पीर अली खान बख्त जेसे मुसलमान भी इस क्रांति का हिस्सा थे,पीर अली खान ने 50 बन्दुको का जुगाड कीया, और अंग्रेजों के खिलाफ बगावत कर दी, उनके विद्रोह के कारन अंग्रेजों ने पीर अली खान को जेल में बंद कर दिया, जहां उनके साथ बोहोत बदसलूकी की गई, पीर अली खान के कई साथियों को अंग्रेजों ने फांसी की सज़ा सुना दी थी, लेकिन कुछ समय बाद पीर अली खान जेल से रिहा हुए, और उन्होंने तकरीबन 200 क्रातीकारीयो को इकट्ठा किया, और बिहार के गुलज़ार बाग में अंग्रेजों पर हमला कर दिया, इस हमले के दौरान अंग्रेजों के कई अफसर मारें गये थे, अंत में वह भी अंग्रेजों के हमलें का शिकार

हुए और उन्हें फिर से पकड़ लिया गया, और पीर अली खान को फांसी की सज़ा सुना दी गई, इसके अलावा सैयद अलाउद्दीन हैदर ने भी 300 क्रांति कारों की एक रेजीमेंट बनाई थी, और अंग्रेजों का विरोध किया था, वहीं तुर्रेबाज ख़ान एक ऐसा मुसलमान था जिसे काला पानी के सज़ा के दौरान गोली मार दी गई थी, उन्हें गोली मारने के बाद हैदराबाद लाया गया, और फिर से फांसी पर लटकाया गया, यह सबुत है कि अंग्रेजों के दिलों में मुसलमान भाईयों का कितना खौफ था, इसी क्रांति के दौरान मौलवी अहमदूल्लाह शाह ने अंग्रेजों का पुरजोर विरोध किया,डर के मारे अंग्रेजों ने मौलवी अहमदूल्लाह शाह पर 50,000 का इनाम घोषित कर दिया,जो उस समय के हिसाब से बोहोत बड़ी रकम थी, एक राजा ने लालच में आकर अंग्रेजों से मुखबरी कर दीं, और मौलवी अहमदूल्लाह शाह को फांसी पर लटका दिया गया, सन् 1919 में शउकत अली और मोहम्मद अली ने ख़िलाफत मुवमेन्ट कि सुरुवात की, इस आंदोलन में अनेकों भारतीय मुसलमानोने और मुस्लिम नेताओं ने इनका साथ दिया, और इस दौरान मोहम्मद अली जौहर,मोलाना अबूल कलाम आजाद ने ही सबसे पहले अंग्रेजों के सामान का बहिष्कार करने कि रणनीति बनाई थी, और बादमें इसी बहिष्कार को मोहनदास गांधी ने असहयोग आंदोलन का रुप दे दीया, हाजी सिद्दिकी एक महान शुगर व्यापारी थे, जिन्होंने असहयोग आंदोलन के दौरान अपनी शुगर मिल को पुरी तरह से बंद कर दिया था, उनकी शुगर मिल इतनी बड़ी थी के पुरे इंग्लैंड में उन्ही के मिल की शूगर का इस्तेमाल किया जाता था, मीर उस्मान अली यह वह भारतीय मुसलमान है जीसने भारत को 5 टन सोना दान किया था, जब चीन ने तिब्बत को आजादी के लिए जंग छेड़ दी, उस्से लगा अभी अभी पाकिस्तान और भारत का युद्ध हुआ है, भारत के पास पैसे ही नहीं होंगे, और थे भी नहीं, मगर मीर उस्मान अली ने शास्त्री को बुलाया और उन्हें भारत के लिए 5 टन सोना दान कर दिया, भगतसिंह, राजगुरु सुखदेव को जब फांसी सजा सुनाई गई थी, तो उनका केस लड़ने वाले भी बेरिस्टर आसिफ अली नामक एक मुसलमान ही थे, अगर उस दौरान शोभा सिंह ने अपनी गवाही ना देते, तों भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव यह लोग फांसी से बच सकते थे, भारतीय मुसलमान भाईयों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध के लिए कई सारे नारे दिये है, जिसका इस्तेमाल खुब जोरों शोरों से किया गया हैं, महान् उर्दू कवि हसरत मोहानी ने सबसे पहले अंग्रेजों के खिलाफ इन्कलाब जिंदाबाद का नारा दिया था, इन्होंने डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के साथ आजादी कि रुपरेखा तैयार करने में एक अहम भूमिका निभाई है, अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा मोहनदास गांधी ने नहीं, बल्कि सबसे पहले युसुफ मेहेर अलि ने अंग्रेजों भारत छोड़ो का यह नारा दिया हैं, इन्होंने ही साइमन कमीशन का विरोध करते हुए SIMON GO BACK का नारा दिया था, गांधी के आने के बाद ही स्वतंत्रता आंदोलन ने जोर पकड़ा सुभाष चन्द्र बोस जैसे नेता सामने आएं सभी ने अपने अपने तरीके से देश कि आजादी के लिए संघर्ष सुरु किया, पेहले जो लड़ाई अंग्रेजों के अधीन रहकर ज्यादा हक़ और अधिकार हासिल करने कि थी, वह लड़ाई पुर्ण स्वराज्य तक पोहची,

31 दिसंबर 1929 को कांग्रेस के लाहोर अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरु कि अध्यक्षता में अंग्रेजों से आजादी कि बड़े स्तरों पर मांग उठी, अन्धभक्त बोला फिर भी इतना टाइम क्यों लग गया, आजादी में, मेने कहा भाई अंग्रेजों से आजादी हासिल करनी थीं, अंग्रेजों से माफी नहीं लेनी थी, मजाक नहीं है कि सावरकर कि तरहां अंग्रेजों को चिठ्ठी लिखी और माफी मांग ली, भारत कि आजादी अगर लेट हुई है, तो वह तुम्हारे तथाकथित वीर सावरकर हि हैं, क्यों कि देश के क्रांतिकारी अंग्रेजों से मौत और जेल मांग रहे थे, तब तुम्हारे सावरकर रिहाई और माफी मांग रहे थे, जब कांग्रेस में शामिल देश के क्रांतिकारी लोग अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन चला रहे थे, तब सावरकर की हिन्दू सभा जिन्ना कि मुस्लिम लीग से मिलकर अलग-अलग राज्यों में सरकार बनाने का काम कर रही थी, जब भारत देश के लोग भारत छोड़ो आंदोलन से प्रभावित होकर अंग्रेजों के सरकारी पद त्याग रहें थे, तब तुम्हारे परम पूज्य नेताजी श्यामा प्रसाद मुखर्जी मुस्लिम लीग कि सरकार में मंत्री बने बैठे थे, जब पुरा भारत देश अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में कुद चुका था, तब तुम्हारे परम पूज्य नेता भारत छोड़ो आंदोलन और सुभाष चन्द्र बोस कि आज़ाद हिन्द फौज को अंग्रेजों से मिलकर कुचलने का काम कर रहे थे, तो बताओ भारत कि आजादी किसके वज़ह से लेट हुई,

अधंभक्त मेरे सवाल से बोखला कर बोला छोड़ो यार बिती बातें, वर्तमान में देखो भारत का डंका केसे विदेशों में बज रहा है, में बोला हा दिख रहा है, साहब घर कि लंका लगाकर विदेशों में डंका बजा रहे हैं, अन्धभक्त बोला तुम लोगों कि यही जलन देख कर बोहोत अच्छा लगता है, जलते रहो युही, देखते जाओ और जलते जाओ, टिवी चालु करो और देखो मोदी के क्या शानदार फोटो आ रहें हैं, क्या शानदार व्यूज आ रहें हैं, फिर में बोला एक टाइम हुआ करता था, जब देश के प्रधानमंत्री विदेशों में जाया करते थे, तो तब लोग टिवी पर देखते थे, कोन से देश के साथ क्या डिल हुई, कोनसा ट्रेड अग्रीमेंट हुआ, कितने करोड़ के यम ओ यू साइन हुएं, कोन सी डिल से देश को क्या फायदा होगा, और अब देखो मोदी ने किसके साथ हाथ मिलाया, देखो मोदी को किसने गले लगाया, देखो मोदी के तरफ़ कौन देख रहा था, देखो मोदी के तरफ़ कौन नहीं देख रहा था, देखो मोदी के तरफ़ कौन हस रहा था, देखो मोदी कि यह नई फोटो देखो, देखो मोदी का भाषण सुनो, देखो मोदी जी कि दाडि देखो, कभी कभी समझ में ही नहीं आता मोदी को प्रधानमंत्री बनाया है, या गोदी मीडिया को, अन्धभक्त बोला यह फोटो वीडियो पहले कि तरहां प्रधानमंत्री के तों नहीं आंतें थे, विदेशों में इतना मान सम्मान पहले के प्रधानमंत्री यो का तो नहीं हुआ करता था, में बोला हां बिल्कुल पहले के प्रधानमंत्री यों को तो चाय पानी भी नहीं पुछते थे, पहले के प्रधानमंत्री तो बिना बुलाए G20 कि बैठक में चलें जाया करते थे, पहले के प्रधानमंत्री तो कंधे पर गमछा और कान में बीड़ी लगा कर एफिल टावर पर फोटो खिंचवा कर चले आते थे, में ने यह भी कहा अबे अन्धभक्त यह पहले के प्रधानमंत्री द्वारा बनाई गई छवि और कुटनीती है, यह पहले के प्रधानमंत्री द्वारा बनाएं गए सारे देशों के साथ बनाएं गए रिस्ते है, जीसकी वज़ह से

भारत के प्रधानमंत्री कि इतनी इज्जत है, अगर पहले के प्रधानमंत्री अमेरिका में जाकर अबकी बार ट्रम सरकार कि तरहां कोई हरकत करते तो, आज़ आपके मोदी ना तो प्रधानमंत्री होते और ना ही मुख्यमंत्री होते, वह आज़ भी किसी जगह सच में चाय बेच रहे होते, मोदी का डंका तो बोहोत दुर कि बात है, अन्धभक्त गुस्से में बोला मतलब इन सब में मोदी का कोई योगदान नहीं हैं, मेने फटाक से कहा बिलकुल भी नहीं है, विश्व कि सबसे बड़ी मार्केट, विश्व में 4 थी सबसे बड़ी सेना, विश्व कि सबसे बड़ी 5 वीं अर्थव्यवस्था और परमाणु बम वाले देश का प्रधानमंत्री कोई भी हो, कहीं भी हो, वो कहीं भी जाएगा उसे इतना ही सम्मान मिलेगा, दुसरे देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्र पति उनके साथ ऐसे ही बात करेंगे, जेसे आज़ कल मोदी के बारे में बताया जाता हैं, हर किसी देश में और देशों से आने वाले प्रधानमंत्री का स्वागत करने का प्रोटोकॉल होता हैं, जब अमेरिका, फ्रांस, इटली जेसे देशों के प्रधानमंत्री भारत में आते हैं, उनका भी स्वागत करने का प्रोटोकॉल होता हैं, लेकिन क्या कभी तुमने किसी नेता को मीडिया को इस बात पर उछलते हुए देखा है, अन्धभक्त बोला अच्छा दुसरे देशों कि छोड़ो जब हमारे प्रधानमंत्री विदेशों में जातें हैं, वहां के भारतीय एन आर आई लोग क्यु मोदी मोदी करते हैं, क्यु वह लोग मोदी कि इतनी तारीफ करते हैं, ज़वाब देते हुए में बोला केहते हैं, विदेशों में अपने देश का गधा भी नजर आएं तो खुशी होती हैं, मोदी तो फिर भी प्रधानमंत्री हैं, रहीं तारिफ कि बात तो उन एन आर आई लोगों से पुछो कि मोदी इतने ही अच्छे लगते हैं, इतना ही अच्छा काम वह भारत में कर रहे हैं, तो तुम लोग विदेशों में क्या कर रहे हों, आ जावो भारत लौटकर, तुम लोग भी मोदी के विकास वालीं गंगा में गोते मारकर देखो, तुम लोग भी देखो नोटबंदि, कोरोना, हिन्दू मुस्लिम कि राजनीति के फायदे, पता भी है, मोदी कि विकास वालीं बाढ़ में बेहकर कितने लोग भारत को छोड़कर जा रहें हैं, सरकारी आंकड़े बताते हैं, 2015 में 1.5 लाख से अधिक लोग, 2016 में 1.6 लाख लोग, इस तरहां बढ़ते बढ़ते यह आंकड़ा 2023 में यह आंकड़ा 2.75 हों गया, मतलब हर साल मोदी के विकास कि बाढ़ में बेहकर कर लोग भारत कि नागरिकता छोड़ रहे हैं, आज हालात यह हो गये हैं, देश का युवा अच्छी शिक्षा के लिए, रोजगार के लिए, अपने भविष्य के लिए भारत को छोड़कर किसी और देश में जाकर रेह रहें हैं, पहले कि सरकार के मुकाबले वर्तमान सरकार के चलते आज़ हर साल 2.5 लाख से अधिक लोग भारत को छोड़ रहे हैं, लाखों युवा अवैध तरीके से अपनी जमीन जायदाद बेचकर विदेशों में अपने भविष्य के चक्कर में भारत को छोड़ रहे हैं, और उन्हीं लोगों को इकट्ठा कर पेसे देकर मोदी के नारे और तालीया बजवा रहें हैं, और तुम अंधभक्तो को लग रहा है, कि डंका बज रहा है, दुनिया में स्टुडेंट इंडेक्स में भारत 180 देशों में 162 वे नंबर पर हैं, हेप्पीनेस रिपोर्ट में 146 में 136 वे नंबर पर हैं, ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 121 देशों में भारत 107 वे नंबर पर हैं, ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स में 179 देशों में 131 वे नंबर पर हैं भारत, और तुम अंधभक्तो को लग रहा है, की विश्व में भारत का डंका बज रहा है, हजारों करोड़ों जनता का पैसा खर्चा कर सो सो केमरे लगवा कर गोदी मीडिया से स्तुतीगान करवाने वाले लोगों में अपनी वाह वाही

थोपने वालों का डंका बज रहा है, ऐसे इवेन्ट्स करवाने से डंका नहीं बजता, डंका तो तब बजेगा जब देश खुशहाल होगा, जब देश वाकही में टोप टेन देशों के बराबर तरक्की करेगा, डंका तब नहीं बजेगा जब भारत का प्रधानमंत्री विदेशों में अपने लोगों को इकट्ठा कर उनसे तालीया बजवायेगा, डंका तब बजेगा जब विदेशों के मजदूरो को कोई विदेशी मंत्री आकर उसने तालीया बजवायेगा तब डंका बजेगा,

अंधभक्तो का कहना हैं, मोदी फिर एक बार अमेरिका में, और विरोधी फिर से एक बार सदमे में, मेने कहा जाना मणीपुर था, पोहच गये अमेरिका में, और वहां पोहच कर भारतीय मजदूरों को पेसे देकर इकठ्ठा कर, उन्हें बताएंगे इंडिया में सब चंगा सी, अन्धभक्त बोला आग मणीपुर में लगी है, लेकिन धूवा कहीं और से उठ रहा है, जब भी मोदी विदेश जाते हैं, मजा ही आ जाता हैं, देशद्रोही लोगों कि जलन देख कर, देखा मोदी का अमेरिका में जलवा, देखो मोदी का अमेरिका में स्वागत, देखी मोदी कि विदेश नीति, मेने कहा हा देखी है, पिछले 8.9 साल से यहीं सबकुछ तो देख रहा हूं, इसी विदेश नीति के तहत देश के प्रधानमंत्री बिना बुलाए पाकिस्तान चले जाते हैं, इतिहास में पहली बार पठानकोट में आतंकी हमले कि जांच के लिए पाकिस्तान कि आई एस आई को भारत में बुलाया जाता हैं, इसी नीति के तहत अमेरिका में अबकी बार ट्रम्प सरकार के नारे लगवाए जातें हैं, कोरोना के ख़तरे बिच भारत में नमस्ते ट्रम्प करवाया जाता हैं, पेहली बार नेपाल जैसे छोटे देश भारत को आंखें दिखाता है, भारतीय फिल्मों को वहां बेन कर दिया जाता हैं, इसी नीति के तहत भारत पर गंदी नजर रखने वाले चीन को क्लीन चिट दी जाती हैं, हमारे विदेश मंत्री केहते हैं, हम चीन से कमजोर है, हमें चीन से टकराना नहीं चाहिए,

फिर अन्धभक्त बोला भुल गए वो दिन जब चीन ने हमारी जमीनों पर कब्जा कर लिया था, 1962 भुल गए आप, मेने बोला वाह 1962 का जिक्र करते हुए, तुम लोगों के चेहरे कि खुशी देखकर पता चलता हैं कि तुम लोग देश से कितना ज्यादा प्यार करते हो, लेकिन 1962 में चीन ने भारत को भाइ बोलकर पीढ में छूरा घोंपने का काम किया था, क्यों कि भारत बर्षो कि गुलामी से आजाद हुआ था, तब भारत गरिब था, वह अपने नागरिकों के लिए खाना, पानी, बीजली, शिक्षा कि जुगाड में था, भारत सैन्य, साजो, सामान जुटाने कि स्थीती में नहीं था, उस वक्त नहीं पता था, के कोई भाई बोलकर वार कर देगा, भारत को नहीं पता था के देश में ही ऐसे लोग बैठे हैं, जो भारत के साथ हुएं धोखे का बरसों बाद भी जश्न मनाएंगे, लेकिन 1962 का जश्न मनाने वाले यह क्यु भुल जाते हैं, के भारत के जवानों ने सितंबर 1967 में सिक्किम के उसी नाथुला में चीन के 350 से अधिक सैन्य को मौत के घाट उतार दिया था, वह लोग यह क्यु भुल जाते हैं, कि भारत ने सिक्किम से चीनी सैनिकों को नंगे पैर दौडाया था, वह लोग यह क्यु भुल जाते हैं, कि भारत कि सेना ने एक धोखा खाने के बाद अपनी सैन्य को इतना मजबूत कर दिया था, कि चीन को सिक्किम और अरुणाचल से अपनी नजरें घुमानी पडि, और चीन ने फिर कभी भारत कि और नजरें उठाकर नहीं देखा, एक वोह दौर था,

जब भारत अंतर्राष्ट्रीय मंच से चीन कि आलोचना करने से कतराता नहीं था, और एक आज़ का दौर हैं, 56इंच छाती वाले प्रधानमंत्री चीन का नाम तक नहीं ले पाते हैं,

अन्धभक्त बोला अरे भाई चीन पर क्यों अटक गए हों, अमेरिका में जो मोदी का स्वागत हुआ है, उसकी बात करों यार, मेने अन्धभक्त से कहा तुम कभी मार्केट में कोई सामान लेने गए हों, अन्धभक्त बोला कि केहना क्या चाहते हो, मेने कहा मतलब तुम कभी दुकान में जातें हों तो दूकान दार काउन्टर से ही सारे सामान पेक करके आपको घर भेज देता है, अगर तुम कोई बड़ा आर्डर देते हों, तो वहीं दुकान दार तुम्हारे लिए चाय पानी पुछता है, यही दुकान दार तुम कोई इस्से भी बड़ा आर्डर करता है, तो यही दुकान दार अपकी प्रसंशा करता है, आपका हालचाल पुछता है, आपके लिए ठंडा,गरम कि व्यवस्था करता है, और तुम कोई बीजनेस डिल करने जाते हों, तो वहीं दुकान दार बोलता है, ना ना जी भाईसाहब इतने दिनों के बाद आएं हों, इतनी दूर से आएं हों, आज़ तो यहां रुककर ही जाना होगा, हमें मेहमान नवाजी का अवशर दें, यही केहता हैं ना, भाईसाहब मेहमान नवाजी से खुश होकर 10 का प्रोडक्ट 15 में लेकर चले आते हैं,

अंधभक्त बोला अरे यार इस बात का मोदी से और अमेरिका से क्या लेना देना है, में बोला लेना देना है, अमेरिका उसी दुकान दार कि तरहां हैं, अमेरिका एक व्यापारी देश है, और मोदी ग्राहक कि तरहां है, ऐसा ग्राहक जीस के पास सबसे ज्यादा आबादी वालीं मार्केट हैं, इसलिए व्यापारी ऐसे ग्राहकों का धुमधाम से स्वागत करेगा ही, उसकी आवभगत भी करेगा, उसे चाय पानी भाषणबाजी भी करवाएगा , सम्मेलन भी आयोजित करवाएगा और ग्राहक से मोटा माल भी कमाएगा, ग्राहक यह सोच कर खुश के दुकान दार ने बोहोत मान सम्मान दिया, और बेहतरीन मेहमान नवाजी कि, और दुकान दार यह सोचकर खुश कि 10 रुपए में पुट्ठा कि तरहां फुलने वाले ग्राहक मिल जाए तो उसकी चांदी ही चांदी होंगी, फिर अन्धभक्त बोखलाते हुए बोला चलो मान लिया अमेरिका यह सब अपने फायदे के लिए कर रहा है, मेने कहा बिलकुल सही पकड़े है, तुम अंधभक्तो इतने दिनों से हिन्दू राष्ट्र और अखंड भारत कि बात कर रहे थे, केह रहें थे कि और सब देशों को भारत से जोड़ेंगे, लेकिन जो भारत का पहले से ही हिस्सा हैं, एक छोटा राज्य, मणीपुर उत्तराखंड को तो संभाल लो, अपना घर तो तुमसे संभल नहीं रहा है, और बातें किसी और देश को संभालने कि करते हों, एसी बचकानी हरकतें करते वक्त कभी शर्म महसूस होती भी है, या नहीं, क्या हुआ डबल इन्जीन सरकार को क्यों नहीं रोक पा रहा है, वहां कि हिंसा को, या फिर इस हिंसा का कारण ही तुम लोग हों,

अन्धभक्त बोला क्यु क्या हुआ है वहां ऐसा, मेने बोला कमाल है, आपको तो पता भी नहीं है, क्यों कि एसी खबरों पर ना मिडिया वाले बहस करते हैं, और नाही कोई और, और नाही व्हाट्स ऐप युनिवर्सिटी में ऐसी कोई पोस्ट आती हैं, मेरीकॉम जैसे भारतीय एथेलीस्ट लाइव आ कर

रो रहें हैं, हिन्दू धर्म के ठेकेदार तथा आपके 36 इंच कि छाती वाले मोदी देश का एक छोटा सा हिस्सा, एक खुबसूरत गांव को जलने से नहीं रोक पा रहे हैं, तकरीबन 100 से अधिक लोगों कि हिंसा में मौत हो चुकी है, बी एस ऐफ के भी कुछ जवान शहीद हो चुके हैं, सोचों हालात वहां कैसे हो चुके होगे, बेकाबू भीड़ ने एक मां और बेटे को जिंदा जला दिया, हर जगह लोगों को भीड़ में बदला जा रहा है, जिसके पास ना तो दील है, और ना ही दिमाग है, ना इंसानियत हैं, और ना ही कोई हमदर्दी, हर किसी के सर पर एक दूसरे को मारने काटने का जुनून सवार हैं, यही भीड़ मणीपूर में मासुमो कि जान ले रही थी, और यही भीड़ उत्तराखंड के उत्तरकाशी में वहां दुसरे धर्म के लोगों पर उनकी दुकानों पर उनके घरों पर हमला कर रही हैं, उन्हें शहर छोड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं, अन्धभक्त बोला आपको उत्तर काशी दिख गया, लेकिन आपको काश्मीर नज़र नहीं आया, मेने उसे फिर से कहा मैं कुछ भी नहीं भुला हुं, जो कश्मीर में हुआ तब भी आप लोगों कि सरकार थी, और जो अब मणीपुर उत्तराखंड में हों रहा है, तब भी आप लोगों कि सरकार हैं, मेने कहा तूम्हे अपनी मानसिक रुप कि गुलामी को चाटने कि आदत हो चुकी हैं, तुम लोग सरकार से जवाब नहीं मांग पावोगे, क्यों कि आप अन्धभक्त लोगों कि सोच, समझ,अकल सब ख़त्म हो चुकी हैं, आप लोग काश्मीर का बदला उत्तर काशी में लोगे, औरंगजेब का बदला अब्दुल से लोगे , अब्दुल का बदला आज़ मणीपूर में लोगे, जो आज़ तुम लोग कर रहे हों, उसका बदला कोई तुम्हारे बच्चो से लेगा,

बस जलते रेहाना इस नफ़रत कि आग में, ना सरकार कि कोई जवाब देही, ना रोजगारी कि और ना ही बढ़ते हुए अपराध कि चिंता ना अर्थव्यवस्था कि चिंता, और ना ही सांइस में तरक्की, बस अंधभक्तो कि भीड बनावो और गंगाधर का बदला शक्तीमान से लेने निकल जावो, अन्धभक्त फिर चिढ़ते हुए बोला तो क्या करें पुरे देश को कश्मीर बन्ने दें, में बोला हां सारे देश को बचाने का ढेका सरकार ने तुम लोगों को दे रखा है, और हमने इस लोकतंत्र देश में पुलिस, आर्मी, सेना तो गोटियां खेलने के लिए बनाकर रखें हैं, पुलिस, आर्मी, सेना पर भरोसा नहीं है तो, थोड़ी सी तो शर्म करो, अपने मोदी ,शाह से ही पुंछ लो, जब उनकी इतनी ही इज्जत करते हो, तो उनकि ही सुन लिया करो, तुम काहे कानून हाथ में ले रहे हों, यह तुम्हारे इश्वर अल्लाह का टाइम नहीं हैं, यह संविधान का टाइम , यह कानून का टाइम है, अन्धभक्त फिर बोला मतलब सब काम सरकार और कानून करेंगी, हमारी अपनी कोई जवाब देहि नहीं हैं, में फिर बोला हां यह सारा ठेका गरिब और मिडिल क्लास लोगों को ही दे रखा है, सारी जिम्मेदारी बेरोजगार भीड़ कि है, घर पर मां बाप इंतजार कर रहे हैं, के बेटा आने के बाद काम घर का बचा काम या उसकी जिम्मेदारी पूरी करेगा, अपना फ्यूचर बनाऊंगा बुढ़ापे में मां बाप का सहारा बनेगा, लेकिन उन्हें क्या पता बेटा तो ब्राह्मण वर्ण व्यवस्था कि अफिम चाटकर हिन्दू सनातन धर्म कि रक्षा करने निकल पड़ा है, खुदके मां बाप तो संभाल पा रहे हैं नहीं, और धर्म को बचाने निकले हुए हैं, बेटा औरंगजेब का हिसाब इतिहास के सफ़र में नीकल पड़ा है,

अन्धभक्त फिर बोखलाया और गुस्से में बड़बड़ाते हुए बोला हां ख़ुद कि चिंता करना , खुद के बच्चे खुद का परिवार ख़ुद के मां बाप, तुम लोग कभी धर्म, अपने देश कि चिंता मत करना, आप लोगों का खून पानी हों गया होगा, हमारा नहीं, अपनी पार्टीशन जैसी छाती में हाथ मारते हुए अन्धभक्त बोल रहा था, गरम खून है गरम खून, में बोला हां सारी गर्मी तो तुम अंधभक्तो के खुन में ही उबाल मार रहीं हैं, जो बोल रहा है, हिन्दू ख़तरे में है, धर्म ख़तरे में है, उनके बच्चे तो कोई विदेशों में मौज कर रहे हैं और इंग्लिश में अच्छा पढ़ लिख रहे हैं, और कुछ तुम्हारे काका अमित शाह के बेटे जैसा मस्त स्टेंड लेकर क्रिकेट का मज़े लेगा, और तुम्हारे बच्चे कभी धर्म तो कभी हिन्दू कि रक्षा करने निकल पड़ेगा, और धार्मिक प्रदूषण फेलाने का काम करेगा, अगर ऐसा ही चलता रहा, तो एक बात मेरी याद रखना ख़तरे में है बोलने वाले के बच्चे तो विदेशों में ख़ुश हैं, इनके बच्चे लौटकर बड़े बड़े इंजीनियर, डाक्टर, सुप्रीम कोर्ट जज, लोयर, बिजनेस मैन, सांसद, विधायक, वैज्ञानिक बनेंगे और हमारे बच्चों के हाथों में हथियार पकड़ाया जाएगा और उन्हें स्कुलो, युनिवर्सिटी में झुटा इतिहास पढ़ाकर अहिंसा के मार्ग पर उतारकर उनका भविष्य अंधकारमय किया जायेगा, और जैसा उनका एजेंडा है, एसी वाणी बोलिए कि जम कर झगड़ा होय, हिन्दू मुस्लिम कट मरे सत्ता ब्राह्मणों कि होय, इस षड़यंत्र तरह बोहोत ही बारिकी से विदेशी यहुदी ब्राह्मणों कि संतानें सत्ता में शासन करेंगी और भारत देश के मुलनिवासीयो को डॉ भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा दिए गए अपने हक़ और अधिकार से वंचित करने का काम करेंगी, वर्तमान समय में भारत के जितने भी सर्वोच्च, बड़े बड़े पद हैं, उन पर और स्पोर्ट्स से लेकर फिल्म इंडस्ट्री में ब्राह्मणों का वर्चस्व हिन्दू मुस्लिम कि राजनीति में क़ायम हों पाया है, इसलिए तुम अंधभक्तो को मुर्ख बनाने का सबसे बड़ा हथियार धर्म हैं, दो तरहां कि गुलामी होती हैं, एक शारीरिक रूप से और एक मानसिक रुप से, शारीरिक रुप कि गुलामी ज्यादा दिन नही रेह सकतीं, और नाही कभी रेह पाएगी, लेकिन मानसिक रुप से गुलामों कि सात पिढीयो को गुलाम बनाया जा सकता है, यह काम झुटा इतिहास पढ़ा कर भी किया जा सकता है, और धर्म के नाम पर किसी समाज को अगर गुलाम बनाना है, तो समाज के घरों में रहने वाली महिलाओं पर धार्मिक गुलामी थोप दो, सात पिढिया गुलामी में ही निकल जाएगी,

आज़ भक्त के साथ चाय पीने गया, अचानक भक्त बोला भाई में यह बोल रहा था कि मोदी सरकार भी ऐसे ही जनता को फ्री का माल बांट रही होती तो आज हमारा हाल भी, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका जैसे भीखमंगा जेसे कगार पर होता, और हमारी हालत भी इनकी तरह हों जाती, मेने कहा दिक्कत पता हैं क्या, इस देश का 142 से अधिक नंबर का गोदी मीडिया तुम लोगों को बताता हीं पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका के बारे में है, और उसके बारे में भी जो बताते हैं, वोह भी ग़लत बताते हैं, तुम लोगों को कभी बताया हि नहि जाता के फ्रांस अपने बेरोजगारों को 50 हज़ार रुपया महीना, यानी के हर साल 6 लाख रुपए बेरोजगारी भत्ता देता है, जर्मनी हर महीने 30 हज़ार रुपए

यानी हर साल 3.60 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देता है, आयरलैंड करिब 14 हज़ार रुपए महिना और दिव्यांग व्यक्ति को करीब 26 हजार रूपए महिना बेरोजगारी भत्ता देता है, फिनलैंड अपने देश के बेरोजगारों को हर महीने 40 हजार रुपए देता है, इटली अपने देश के बेरोजगारों को हर महीने 90 हजार यानी साल में 10.80 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देता है, और यहां तुम्हारा 56 इंची विश्व गुरु जनता को 5 किलो अनाज दे कर खुद को दान वीर मान कर बैठा है, अन्धभक्त बोखलाया और हंसते हुए बातों को घुमाते हुए बोला एक दो राज्यों में चुनाव हारने से कुछ नहीं होता, देश भक्त लोग तो आज़ भी मोदी के साथ है, देश का हर वोह बंदा मोदी के साथ है, जो अपने नीजी स्वार्थ को छोड़कर कर अपने देश के हित के बारे में सोचता है, में बोला मतलब, अन्धभक्त बोला मोदी के विरोध में वही लोग बोलते लीखते है, जो मुफ्त खोर है, में बोला मुफ्त खोर मतलब, अन्धभक्त बोला मतलब वहीं लोग जिन्हें मुफ्त का माल चाहिए, मुफ्त कि बिजली, मुफ्त का पानी, सस्ता सिलेंडर चाहिए, में बोला यह बात किसने बताइ, अन्धभक्त बोला अरे भाई किसी से भी पुंछ लो, में बोला मतलब जो जनता पैदा होने से लेकर मरने तक सरकार को लाखों करोड़ों रुपए टेक्स दे रही है, और गलती से कोई हजारों रुपए कि उस जनता को रीयायत मील जाए तो वो मुफ्त खोरी है, और जो मुख्यमंत्री, नेता, प्रधानमंत्री जनता के टैक्स के पैसे से बड़े बड़े बंगले,नोकर चाकर ठाट बाट सेलरी पेंशन, सरकारी सुविधाओं का आनंद लेने वाले खुद्दार है, जो जनता 30 रुपए का पेट्रोल 100 रुपए में खरीदती हैं, पेट्रोल के उपर 3 तीन गुना टैक्स देती हैं, बाइक, कार, खरिदते वक्त हजारों रुपए रोड़ टेक्स देती हैं, सड़कों पर निकलने के बाद भी उसे टोल टैक्स देना होता हैं, जिसके पास यह सब साधन नहीं है, वह लोग बस के टिकट के लिए लंबी लंबी लाइनों में खड़े रहते हैं, फिर भी उसे कभी कभी सिट नहीं मिलती, वह जनता मुफ्त खोर है, लेकिन जनता के टैक्स के पैसों हजारों करोड़ों रुपए के जहाज़ खरिदने वाले, लाखों करोड़ों रुपए कि गाड़ी में घुमने वाले, सरकार कि वीआइपी सुरक्षा का आंनद लेने वाले खुद्दार है, सरकार को 28% जीएसटी टेक्स देने वाले लोग सरकारी योजनाओं के लिए लाइनों में खड़ी रहने वाली जनता मुफ्त खोर है, लेकिन हर काम में 40% कमीशन खाने वाले 5 स्टार जैसी फेसीलीटी लेने नेता लोग खुद्दार है, सरकार को वेट, इन्कमटैक्स, प्रोपर्टी टैक्स, निगम टेक्स, पालीका टैक्स, एन्हांसमेंट टैक्स, डेवलपमेंट टेक्स, लाइंसेस,बीजा, रजीस्ट्रीफिस, एन ओ सी फिस, सर्वीस चार्जीस, यहा तक कि टट्टी पोटि पर भी स्वच्छता टेक्स देने वाली जनता मुफ्त खोर है, और उसी जनता कि टट्टी पोटी के टैक्स के पैसों से 5स्टार होटलों में चाय पीने वाले तुम्हारे नेता खुद्दार है, अन्धभक्त बोखलाया और बोला यह क्या बात हुई यार, टैक्स तो हर देश के लोगों को देना पड़ता है, में बोला नहीं देना पड़ता भारत के लोगों जितना टैक्स हर चीजों पर अलग-अलग तरह के टैक्स किसी देश को नहीं देना पड़ता, अगर फिनलैंड, नोर्वे, सुडान, जर्मनी, डेनमार्क, यु एस तु के जैसे देश अगर जनता से टैक्स लेती हैं तो बदले में उन्हें अच्छी सुविधाएं, सुरक्षित कानून व्यवस्था, फ्री शिक्षा, फ्री इलाज जैसी सुविधाएं देते हैं, जो देश अपने नागरिकों को जीनती ज्यादा सुविधाएं

जीतनी ज्यादा रियायतें देता है, वहीं दुनिया का विकसित देश बनता है, लेकिन इस देश कि ब्राह्मण वादि सरकार इस देश कि 142 से अधिक नंबर वाली मीडिया तुम लोगों को ऐसे विकसित देशों के बारे में नहीं बतातीं, वोह तो तुम्हें सिर्फ पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका जैसे दैशो के बारे में हि बताएंगी जैसे कि दुनिया में और कोई देश हैं हि नहि, लेकिन तुम अंधभक्तो ने कभी सोचा है, कि यह लोग तुम लोगों को इन देशों के बारे में क्यु बता रहीं हैं, अन्धभक्त बोला तुम ही बता दो, क्यूं बता रहीं हैं, में बोला तुम कभी आउट आफ स्टेटस घुमने गया है, अन्धभक्त बोला हां पापा के साथ कश्मीर गया था, तो मैं बोला पापा ने तुझे पहले बोला हि होगा कि वहां कैसा मौसम होता है, कितनी ठंड पड़ती हैं, कैसे-कैसे मुस्कील रास्ते हैं, कैसा जीवन जीना का तरीका है, अन्धभक्त बोला हां पापा ने तो बताया था, लेकिन यह तो अच्छी बात है ना ताकि हम कहीं जा रहें हैं तो पहले से ही तैयारी और मेन्टली प्रीप्रेर रहें, में बोला बिल्कुल सही पकड़े है, इस देश कि ब्राह्मण वादी सरकार और गोदी मीडिया तुम लोगों को पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका के बारे में इसलिए बता रही हैं कि यह देश हिन्दू मुस्लिम कि राजनीति में इन देशों कि और बढ़ चुका है, और यह लोग अब तुम्हें मेन्टली प्रीप्रेर कर रहे हैं.!

आप लोगों कि जानकारी के लिए बता दूं कि शायद आपको पता नहीं हैं, लेकिन मोदी ने आपकी परमीशन लिए बगैर हर शख्स पर 1 लाख 20 हजार रुपए का कर्जा चढ़ा दिया है, क्यों कि मोदी सरकार ने देश का कुल कर्ज़ा है, उसको बढ़ाकर 155 लाख करोड़ रुपए कर दिया है, और यह कर्ज़ा 2024 में 172 लाख करोड़ रुपए होने वाला है, यानी हर भारतीय पर 1 लाख 20 हजार रुपए का कर्जा, और यह कर्ज़ा 2024 के चुनाव के बाद व्याज के साथ जनता से मेहंगाई, फलाने टैक्स के नाम से वसुला जाएगा, क्यों कि 66 साल में भारत कि सरकार ने 55 लाख करोड़ का कर्जा लिया था, यानी भारत जब अंग्रेजों से आजाद हुआ था, तब यहां सुइ तक नहीं बनती नहीं थीं, और भारत के लोगों ने सुइ से लेकर हवाई जहाज, परमाणू हथीयार, सेटेलाइट तक बनाने का सफ़र 55 लाख रुपए में किया, लेकिन मोदी ने डुबली केट रोडब्रिज, और टोयलेट बनाने के लिए 100 लाख करोड़ रुपए का कर्जा ले लिया, कर्जा हर देशों पर है, किसी पर ज्यादा तो किसी पर कम लेकिन भारत का कर्ज़ा ऐसा है, जिसमें 50 हज़ार क़र्ज़ के तले देश का किसान फांसी पर लटक जाता हैं, और इस देश के वोह लोग जो सरकार को चला रहे हैं, उनको बिज़नस में घाटा हो जाएं या उन्हें बचाने के लिए भारत कि निजी संपत्तियों को दांव पर लगाया जाता हैं, आप लोगों को लग रहा है कि आप लोग आजादी कि जिंदगी जी रहे हैं, लेकिन यह आपकि सबसे बड़ी भुल हैं, लोकतंत्र का मतलब जनता राजा है, लेकिन यहां भारत में लोकतंत्र में जनता को ही मानसिक रुप से गुलाम बना कर रखा है, लोकतंत्र में लड़ने के लिए चाकु, छुरी, बन्दुक, बम कि आवश्यकता नहीं होती, क्यों कि लोकतंत्र में लड़ने के लिए जानकारी और ज्ञान का होना बोहोत ज़रुरी हैं, क्यों कि जानकारी और ज्ञान हि लोकतंत्र का सर्व श्रेष्ठ तथा सबसे बड़ा हथियार हैं, और में वही जानकारी आपको बता रहा हूं,

आपको भले ही ऐसा लगता होगा कि इस देश का प्रधानमंत्री इस देश कि जनता वोट देकर मोदी को प्रधानमंत्री बनाइ है, लेकिन यह आपकि बोहोत बड़ी ग़लत फेहमी है, इस देश में जबसे इवीएम मशीन से चुनाव होना सुरु हुआं है, इस देश का लोकतंत्र खत्म हो चुका है, अब यह बस दिखावे का लोकतंत्र है, तब से RSS के ब्राह्मण और इस देश के बड़े बड़े बिजनेसमैन, बडि बड़ी इंटरनेशनल लेवल कि मार्केट तथा कुछ चुनिंदा शेठ अपना पैसा खर्च कर अपने हित के लिए अपनी सरकार बना रहे हैं, और उनके इशारे पर चलने वाला प्रधानमंत्री को नोमिनेट कर रहे हैं, ताकि जनता के टैक्स के लाखों करोड़ों रुपए को सब मिलकर लुटने का काम कर रही हैं, इसीलिए लाखों करोड़ों रुपए केवल अडाणी अम्बानी जैसे लोगों के ही माफ़ होते हैं, गरिबों के नहीं जनता क्या खाती है, क्या पीती है यह तो छोड़ो, आप क्या पढ़ोगे, क्या लिखोगे, क्या सोचोगे, क्या करोगे, आपको कैसी और कौन सी सुविधाएं मिलेंगी, यह भी कोई तय कर रहा है, अंधकार इतना बढ़ चुका है कि , अंधे राजा कि प्रजा को कुछ नज़र ही नहीं आ रहा है, क्यों कि जैसा राजा वैसी उसकी प्रजा, वैसे भी अंधे राजा कि प्रजा कितने दुर का देख सकतीं हैं भला.।

भारत के लोगों को छोड़कर यह बात हर किसी को पता है, कि भारत अगर अपने असली इतिहास से परिचित हो गया तो डोलर रुपिया के मामले कमजोर रहेगा, यह बात चीन को भी अच्छी तरह से पता है, भारत अगर अपने असली इतिहास से परिचित हो गया तो, आज़ हम मेन्यूफेक्चरर और भारत कन्ज्यूमर् है, जेसे ही भारत अपने असली इतिहास से परिचित हो जाएगा, तो भारत को कन्ज्यूमर् से मेन्यूफेक्चरर बन्ने में देर नहीं लगेगी, ठिक इसी तरहां से विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी पंचमगी ब्राह्मणों को भी यह बात पता है, कि भारत अपने असली इतिहास से परिचित हो गया तो, भारत हमेशा के लिए आजाद हो जायेगा, और भारत को फिर से विश्व गुरु बन्ने में देर नहीं लगेगी, और भारत के लोगों को यह भी पता चल जाएगा कि मुगलों के पहले भारत पर विदेशी वेस्ट युरेशियन यहुदी पंचमगी ब्राह्मण ने हमला किया है, लोगों को जातीयों में बांट कर गुलाम बनाया हैं, और षड़यंत्र पुर्वक शासन किया है, और यह सबकुछ पता चलने के बाद ब्राह्मणों का भारत में रहना मुश्किल हो जाएगा, इसलिए वह भारत के लोगों को हिन्दू सनातन धर्म कि आड़ में गुमराह करने का काम कर रही हैं.!